E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 43 प्रयागराज, मंगलवार 21 अप्रैल, 2026 पृष्ठ- 8 मूल्य : 3.00 रूपये

अमेरिका का चीन से आ रहे ईरानी जहाज पर कब्जा, होर्मुज पार कर रहा था,ईरान बोला- जल्द जवाब देंगे

तेहरान। अमेरिका ने ईरान के एक मालवाहक जहाज को अपने के मुताबिक यह जहाज चीन से ईरान जा रहा था। ईरान ने इसे दौरान बताया कि सुरक्षा चिंताओं के चलते वेंस इस्लामाबाद नहीं

कब्जे में ले लिया है। राष्ट्रपति ट्रम्प के मुताबिक टॉस्का नामक यह जहाज होर्मुज स्ट्रेट को पार करने की कोशिश कर रहा था। इसे अमेरिकी डेस्ट्रॉयर यूएसएस स्प्रूअन्स ने रोका। ट्रम्प के मुताबिक, जहाज ने चेतावनियों को नजरअंदाज किया, जिसके बाद अमेरिकी मरीन ने उसे रोक लिया। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, 'इस वक्त जहाज हमारे कब्जे में है। हम पूरी तरह इसे कंट्रोल में लेकर देख रहे हैं कि इसके अंदर क्या है।' दूसरी तरफ, ईरान के हजरत खातम अल-अनबिया सैन्य मुख्यालय ने कहा कि अमेरिका ने सीजफायर का उल्लंघन किया और ओमान की खाड़ी में ईरान के एक व्यापारिक जहाज पर फायरिंग की, जिससे उसका नेविगेशन सिस्टम खराब हो गया। तस्नीम मीडिया समुद्री डकैती करार दिया और कहा कि वे जल्द इसका जवाब देंगे। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स- भारतीय जहाजों पर फायरिंगः ईरान ने होर्मुज में 2 भारतीय जहाजों पर फायरिंग की। 14 जहाज रोके गए, 13 लौटे। भारत ने राजदूत को तलब कर विरोध जताया। होर्मुज स्ट्रेट फिर बंदः ईरान ने अमेरिका पर सीजफायर उल्लंघन का आरोप लगाते हुए स्ट्रेट दोबारा बंद किया। दूसरी बैठक पर संशयः ईरान ने इस्लामाबाद में होने वाले शांति वार्ता के दूसरे दौर में शामिल होने से इनकार कर दिया है। ईरान ने अमेरिका की मांगों और को इस फैसले का मुख्य कारण बताया है। जेडी वेंस का दौरा टलाः पाकिस्तान में दूसरे दौर की वार्ता में उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का दौरा टल गया है। ट्रम्प ने इंटरव्यू के जाएंगे। ट्रम्प की चेतावनीः ट्रम्प ने कहा है कि ईरान के पास शांति समझौते के लिए यह आखिरी मौका है। उन्होंने कहा कि वह पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा की तरह वही गलती नहीं दोहराएंगे। 18 अप्रैल को होर्मुज स्ट्रेट से 20 से ज्यादा जहाज गुजरने में सफल रहे। शिपिंग डेटा देने वाली कंपनी केप्लर के मुताबिक, यह 1 मार्च के बाद एक दिन में सबसे ज्यादा आवाजाही थी। इन जहाजों में से 5 ऐसे थे जिन्होंने हाल ही में ईरान से सामान लोड किया था, जिसमें तेल उत्पाद से लेकर धातु तक शामिल थे। हालांकि यह स्थिति ज्यादा देर टिक नहीं पाई और फिर से जहाजों की आवाजाही बंद हो गई। ईरान ने अमेरिका पर सीजफायर समझौते को तोड़ने का आरोप लगाकर फिर से होर्मुज बंद कर दिया।

भारत-रूस एक-दूसरे की जमीन पर 3000 हजार सैनिक तैनात करेंगे,दोनों में रक्षा समझौता लागू

नयी दिल्ली। भारत और रूस के बीच रेसिप्रोकल एक्सचेंज ऑफ लॉजिस्टिक सपोर्ट रक्षा

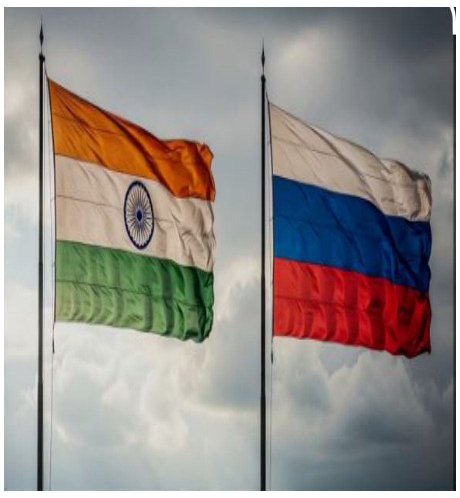

समझौता अब लागू हो गया है। इसके तहत दोनों देश एक-दूसरे की जमीन पर 3000 सैनिक तक तैनात कर सकेंगे। साथ ही 5 युद्धपोत और 10 सैन्य विमानों की तैनाती की भी अनुमति दी गई है। दोनों देशों की सेनाएं एक-दूसरे के मिलिट्री बेस, एयरबेस और बंदरगाहों का इस्तेमाल कर सकेंगी, जिससे लंबे समय तक सैन्य तैनाती और ऑपरेशन आसान होंगे। डील में लॉजिस्टिक सपोर्ट भी शामिल है। इसके तहत ईंधन, पानी, मरम्मत, तकनीकी संसाधन और अन्य जरूरी सप्लाई उपलब्ध कराई जाएंगी। वहीं, विमानों के लिए एयर ट्रैफिक कंट्रोल और फ्लाइट से जुड़ी सेवाएं भी मिलेंगी। यह समझौता फरवरी 2025 में साइन हुआ था और दिसंबर 2025 में रूस ने इसे मंजूरी दी। यह 5 साल के लिए लागू रहेगा, जिसे आपसी सहमति से आगे बढ़ाया जा सकता है।हालांकि, यह समझौता युद्ध के लिए नहीं है। इसका इस्तेमाल केवल शांति के समय ट्रेनिंग, संयुक्त अभ्यास और लॉजिस्टिक सहयोग के लिए किया जाएगा। इस डील को भारत और रूस के बीच मजबूत होती रणनीतिक साझेदारी का अहम कदम माना जा रहा है, जिससे दोनों देशों के बीच सैन्य तालमेल और सहयोग और बेहतर होगा।

चीन की नाक के नीचे जमा हुए 17,000 सैनिक, दूसरे विश्वयुद्ध के बाद पहली बार जापानी आर्मी भी पहुंची

मनीला। दक्षिण चीन सागर में चीनी सेना की बढ़ती दादागिरी के बीच अमेरिका, जापान, फिलीपींस समेत कई देशों के 17

हजार सैनिक 'बाल्किस?तान 2026' युद्धाभ्यास के लिए फिलीपींस में जमा हुए हैं। दूसरे विश्वयुद्ध के बाद ऐसा पहली बार है कि जब बड़े पैमाने पर जापानी सैनिक भी युद्धाभ्यास में हिस्सा लेने के लिए विदेशी धरती पर पहुंचे हैं। जापानी सेना टाइप 88 एंटी शिप मिसाइल लेकर भी पहुंची है। इस सैन्य अभ्यास के दौरान अमेरिका और उसके सहयोगी देशों की सेनाएं फिलीपींस के उत्तरी इलाके में ताइवान स्ट्रेट के पास लाइव फायर ड्रिल भी करेंगी। माना जा रहा है कि ये देश चीनी सेना की बढ़ती धमकियों को इस सैन्य अभ्यास के जरिए करारा जवाब देने जा रहे हैं। इसमें जमीन से लेकर समुद्र तक में सैन्य अभ्यास किया जाएगा। इस बाल्किस्तान सैन्य अभ्यास में 17 हजार सैनिक, एयरमैन और नौसैनिक 19 दिनों तक मिलकर अभ्यास करेंगे। अमेरिकी सेना के कर्नल रॉबर्ट बुन ने बताया कि बाल्किस्तान सैन्य अभ्यास यह दिखाता है कि हमारी फिलीपींस के साथ दोस्ती चट्टान की तरह से मजबूत है और अमेरिका मुक्त हिंद प्रशांत क्षेत्र के लिए प्रतिबद्ध है। कर्नल बन ने कहा कि अमेरिकी सैनिकों की संख्या पिछले कई सालों में सबसे ज्यादा तैनाती वाले अभ्यासों में शामिल है। यह मध्य पूर्व में चल रही जंग से अप्रभावित है। उन्होंने ठीक-ठीक सैनिकों की संख्या को नहीं बताया। यह बाल्किस्तान अभ्यास ऐसे समय पर होने जा रहा है जब अमेरिका और फिलीपींस के बीच आपसी रक्षा संधि के 75 साल पूरे हो रहे हैं। इससे पहले साल 2025 में बाल्किस्तान सैन्य अभ्यास के दौरान अमेरिका ने अपनी सबसे आधुनिक एंटी शिप मिसाइल, नेवी मरीन के NMESIS और HIMARS राकेट सिस्टम को तैनात किया था। इससे चीन बुरी तरह से भड़क उठा था। इसके अलावा अमेरिकी सेना ने हाई पावर माइक्रोवेब वेपन का ड्रिल के दौरान इस्तेमाल किया था। साल 2024 में बाल्कितान अभ्यास के दौरान अमेरिका ने टायफन मिडरेंज मिसाइल सिस्टम को तैनात किया था। इससे भी चीन बहुत नाराज हुआ था। हालांकि इस अभ्यास के दौरान कोई लाइव फायर ड्रिल नहीं हुआ था लेकिन फिलीपींस के सैनिकों ने को टायफन मिसाइल की ट्रेनिंग अमेरिका के दिशा निर्देश पर दी गई थी। इससे उनकी ताकत में काफी इजाफा हुआ था। इसके अलावा उन्होंने एक पुराने युद्धपोत को डुबो दिया था। फिलीपींस और अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि आने वाले युद्धाभ्यास उनके इतिहास में सबसे महंगे होने जा रहे हैं। यह न केवल कुल सैनिकों के मामले में बल्कि दायरे और जटिलता के लिहाज से भी है। इस अभ्यास के दौरान मुख्य तौर पर जमीनी लड़ाई की ट्रेनिंग, कमांड पोस्ट अभ्यास, मेरीटाइम सिक्यारिटी, जमीन से लेकर पानी तक में अभियान, संयुक्त हथियार लाइव फायर ड्रिल, एविएशन, साइबर डिफेंस, स्पेस ऑपरेशन, आपदा मदद जैसे अभियानों का अभ्यास किया जाएगा। जापान की सेना भी पहली बार लाइव फायर ड्रिल में हिस्सा ले रही है। जापानी सेना अपने साथ टाइप 88 एंटी शिप म?साइल लेकर आई है और वह एक युद्धपोत को डुबोने का अभ्यास करेगी। इन तीन देशों के अलावा ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, फ्रांस और न्यूजीलैंड की सेनाएं भी इस अभ्यास में हिस्सा ले रही हैं। माना जा रहा है कि ये देश चीन को कड़ा संदेश देने के लिए इतने बड़े पैमाने पर जंगी अभ्यास कर रहे हैं। फ्रांस भी इसमें शामिल होने वाला था लेकिन ईरान युद्ध की वजह से वह अपने सैनिकों को यूरोप में ही रख रहा है।

अमेरिका और ईरान वार्ता पे लगा प्रश्नचिन्ह,आईआरजीसी का लंबी लड़ाई लड़ने के संकेत,मीडिएटर बन रहा पाकिस्तान हुआ चौकन्ना

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में इस हफ्ते अमेरिका और ईरान की दूसरे दौर की वार्ता होनी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया है कि सोमवार को उनकी टीम पाकिस्तान पहुंच जाएगी। वहीं ईरान ने कहा है कि बातचीत की कोई योजना नहीं है। पाकिस्तान में इसके लिए बड़े पैमाने पर तैयारी चल रही है। दूसरी ओर दोनों ओर से हो रही आक्रामक बयानबाजी और होर्मुज स्ट्रेट के आसपास के घटनाक्रम से इस्लामाबाद टॉक्स पर संकट पैदा हो रहा है। ऐसे में पाकिस्तान फिलहाल बहुत सावधानी से कदम उठा रहा है। अमेरिका-ईरान वार्ता के प्रस्तावित दूसरे दौर पर भ्रम बढ़ता जा रहा है। इस भ्रम की जड़ में दोनों ओर से हो रही बयानबाजी है। ईरान और अमेरिका की ओर से जो बातें कही गई हैं, वह एक-दूसरे से मेल नहीं खा रही हैं। डोनाल्ड ट्रंप रविवार को ही पाकिस्तान में डेलीगेशन भेजने की बात कह चुके हैं लेकिन ईरानी अधिकारियों की ओर से अभी तक इस्लामाबाद जाने की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को एक लंबी सोशल पोस्ट में अमेरिकी वार्ताकारों के पाकिस्तान जाने की बात कही है। साथ ही ईरान को यह धमकी दे डाली कि वह समझौता नहीं करेंगे तो अमेरिकी आर्मी उनके देश में भीषण तबाही मचा देगी। ईरान के

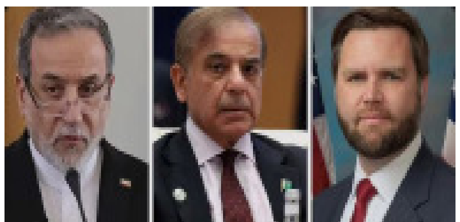

सरकारी मीडिया ने इस पर कहा है कि डोनाल्ड ट्रंप का ऐलान अमेरिका का एक बड़ा 'खेल' और दबाव बनाने की रणनीति का हिस्सा है। ईरान की सरकारी मीडिया ने कहा है कि अमेरिका की ओर से अत्यधिक मांगें करने और अवास्तविक अपेक्षा रखने के साथ ही लगातार रुख में बदलाव किया जा रहा है। यह अमेरिका की ईरान के साथ बातचीत को पटरी से उतारने की कोशिश है। ईरान ने अमेरिकी नेवी की ओर से की गई अपनी बंदरगाहों और होर्मुज की नाकेबंदी पर कड़ा एतराज जताते हुए इसे बातचीत में अड़चन कहा है। आईआरजीसी ने कहा-'अमेरिका की नाजायाज शर्तों के सामने झुका नहीं जाएगा। हम लड़ाई के लिए तैयार हैं और जरूरत हुई तो महीनों तक युद्ध जारी रख सकते हैं। हम तब तक बातचीत में नहीं जाएंगे, जब तक ईरान की मांगें नहीं मानी जाती हैं। अमेरिका को अपनी नौसैनिक नाकेबंदी भी हटानी पड़ेगी।' ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने अमेरिका को लेकर सख्त रुख अपना लिया है। इस सैन्य संगठन ने कहा है कि अमेरिका के सामने झुका नहीं जाएगा और जरूरत हुई तो महीनों तक युद्ध लड़ा जा सकता है। आईआरजीसी ने कथित तौर पर तब तक बातचीत से इनकार किया है, जब तक ईरान की सभी मांगें पूरी नहीं हो जाती हैं। आईआरजीसी से जुड़ी तस्नीम न्यूज एजेंसी ने बताया है कि जब तक अमेरिका की नौसैनिक नाकेबंदी लागू रहेगी, तब तक बातचीत आगे नहीं बढ़ सकती है। ईरानी अधिकारी इस नाकेबंदी को पिछली आपसी सहमतियों का सीधा उल्लंघन मानते हैं, जिससे दोनों पक्षों के बीच विश्वास कमजोर पड़ गया है।

इससे बातचीत पर एक संकट साफ देखा जा सकता है। ईरान और अमेरिका में तनातनी को देखते हुए पाकिस्तान ने मध्यस्थ के तौर पर सतर्कता बढ़ा दी है। भूमिका निभाता हुआ प्रतीत हो रहा है। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन के साथ चर्चा की है। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने अपने ईरानी समकक्ष अब्बास अराघची से बातचीत की है। पाकिस्तान का ईरान में उच्च-स्तरीय संपर्क हुआ है और अमेरिका से भी उनकी बातचीत हो रही है।

थॉड ने खोली अमेरिकी डिफेंस सिस्टम की पोल,खाड़ी देशों के अरबों डॉलर बर्बाद?

रियाद। अमेरिका और इजरायल ने 28 फरवरी से ईरान में हमले शुरू किए। इसके बाद ईरान ने जवाबी हमलों में इजरायल और खाड़ी देशो में स्थित अमेरिकी ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन दागे। ईरान के इन जवाब हमलों ने अमेरिका के एयर डिफेंस सिस्टम को सवालों के घेरे में ला दिया है। ईरान मिसाइलों ने जिस तरह से खाड़ी देशों में टारगेट हिट किए, उससे कई एक्सपर्ट अमेरिका के थाड जैसे एयर डिफेंस सिस्टम को छेद वाली छतरी करार दे रहे हैं। खाड़ी देशों में ये सवाल है कि क्या उन्होंने वाकई एक सही चीज पर अरबों डॉलर खर्च किए। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका की सुरक्षा छतरी का एक अहम हिस्सा उसके मिसाइल डिफेंस सिस्टम रहे हैं। खासतौर से लॉकहीड मार्टिन का टर्मिनल हाई एल्टीट्यूड एरिया डिफेंस (थॉड) बेहद सटीक माना जाता है, जिसके साथ पैट्रियट पीएसी-3 बैटरियां जुड़ी हैं। इनके जरिए बेहद मजबूत हवाई सुरक्षा का वादा अमेरिका ने खाड़ी देशों से किया था। अमेरिका ने खाड़ी देशों को इन सिस्टम्स को गोल्ड स्टैंडर्ड (सबसे बेहतरीन मानक) के तौर पर बेचा। ये ऊंची-ऊंचाई वाले इंटरसेप्टर थे, जो बैलिस्टिक मिसाइलों को उनके आखिरी चरण में ही मार गिराने में सक्षम थे। इनके साथ निचले स्तर के पैट्रियट सिस्टम लगाए गए थे, जो कम दूरी के खतरों और ड्रोन से निपटने के लिए थे।खाड़ी के देशों ने इन सिस्टम पर तक अरबों

डॉलर खर्च किए। खाड़ी देशों को भरोसा था कि ये सिस्टम उन मिसाइल खतरों को बेअसर कर देंगे, जो उन पर मंडरा रहे हैं। हालांकि 28 फरवरी से 8 अप्रैल तक चले युद्ध में ऐसा होता नहीं दिखा है। सऊदी अरब, यूएई से कुवैत, कतर तक ईरान की मिसाइलों ने सटीक निशाने लगाए हैं। बीते साल मई में सऊदी अरब और अमेरिका के बीच बड़ा सैन्य सहयोग समझौता हुआ। इसमें सऊदी अरब के लिए 142 अरब का हथियारों के पैकेज का ऐलान किया गया। इस पैकेज में थॉड सिस्टम्स, पैट्रियट पीएसी-3 के अपग्रेड और मिसाइलें, हवा से हवा में मार करने वाले आधुनिक हथियार, हथियारबंद ड्रोन्स, और गोला-बारूद का विशाल भंडार शामिल किया गया। अमेरिका और सऊदी अरब के इस समझौते पर हालिया दिनों में सवाल उठने लगे, जब इन सिस्टम्स की ईरानी हमलों के खिलाफ परीक्षा हुई। ईरान के हमलों के खिलाफ खाड़ी देशों में तैनात अमेरिकी सुरक्षा कवच बुरी तरह से नाकाम हुए और यह पूरी दुनिया ने देखा कि अमेरिका के आर्मी बेस तक पर मिसाइलें गिरीं। अमेरिका और इजरायल के हमलों के जवाब में ईरानी कार्रवाइयों ने खाड़ी देशों को यह 'सच्चाई' देखने को मजबूर कर दिया कि क्या ये हार्डवेयर सच में काम करते हैं, जिन पर उन्होंने अरबों डॉलर खर्च किए हैं। दुनिया ने देखा कि ईरान की बैलिस्टिक मिसाइलें और ड्रोन ने सभी छह जीसीसी देशों- बहरीन, कुवैत, कतर, सऊदी अरब, ओमान और यूएई को मुश्किल में डाला। सैटेलाइट तस्वीरों से पता चलता है कि जॉर्डन, सऊदी अरब और यूएई में थॉड के अहम AN/TPY-2 रडार पर सीधे हमले हुए, जिसे इस सिस्टम की 'आंखें' कहा जाता है। सऊदी अरब के प्रिंस सुल्तान एयर बेस पर थॉड रडार को रखने के लिए बने शेल्टर का मलबा बचा। जॉर्डन का मुवफ़्फ़क साल्टी एयर बेस निशाना बना। वहीं यूएई में अल रुवैस के पास थॉड बैटरी के ढांचों पर सीधे हमले हुए। पैट्रिएट सिस्टम को आने वाले प्रोजेक्टाइल (हमलावर चीजों) की भारी संख्या से निपटने में मुश्किल हुई। ईरान के सस्ते ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइलों की बड़ी संख्या ने इसके सामने मुश्किल खड़ी की। ईरान के युद्ध ने साबित किया कि ये सिस्टम बड़े पैमाने पर होने वाले हमलों के सामने कितने सीमित हो जाते हैं। ईरान युद्ध के बाद खाड़ी देशों, विशेष रूप से सऊदी अरब अपने समझौते पर मुश्किल में है। आज सच्चाई ये है कि जिन सिस्टम को एक अभेद्य ढाल के तौर पर बेचा गया। वह एक लीक होती हुई छतरी साबित हो रहे हैं। ऐसे में खाड़ी देशों में इस समय अमेरिकी सैन्य उपकरणों पर निर्भरता को लेकर बहस देखी जा रही है।

डोनाल्ड ट्रम्प ने पाकिस्तानी आर्मी चीफ से बात की,मुनीर बोले- होर्मुज पर नाकाबंदी रही तो बातचीत मुश्किल, ट्रम्प बोले- देखतें हैं

तेहरान। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर से फोन पर बात की। एक पाकिस्तानी सुरक्षा सूत्र के मुताबिक, ट्रम्प ने कहा कि वे होर्मुज पर लगे ब्लॉकेड को लेकर उठाई गई चिंताओं पर विचार करेंगे। सूत्र के अनुसार, दोनों के बीच इस मुद्दे पर विस्तार से चर्चा हुई। आसिम मुनीर ने ट्रम्प से कहा कि अगर होर्मुज पर रोक जारी रही, तो ईरान के साथ बातचीत आगे नहीं बढ़ पाएगी। इसके जवाब में ट्रम्प ने कहा कि वे इस पर सोचेंगे। दरअसल, अमेरिका ने ईरान के पास समुद्र में नाकेबंदी कर रखी है। इससे नाराज होकर ईरान ने शनिवार को होर्मुज को बंद कर दिया था। अमेरिका और ईरान के तनाव बढ़ने की वजह ट्रम्प की ईरान को धमकी और ईरानी जहाज 'टूस्का' को कब्जे में लेना है। इसे लेकर ईरान ने नाराजगी जताई और इसे समुद्री डकैती करार दिया और कहा कि वे जल्द इसका जवाब देंगे। होर्मुज में बढ़ते तनाव के बीच पाकिस्तान में दोनों देशों के बीच दूसरी दौर की

बातचीत होगी या नहीं, इसे लेकर सस्पेंस बना हुआ है। ईरान ने कहा कि अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी सीजफायर के समझौते का उल्लंघन है और अमेरिका की धमकी भरी भाषा से हालात और खराब हो रहे हैं। इन परिस्थितियों में बातचीत की उम्मीद बहुत कम है। वहीं अल जजीरा की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि बातचीत एक नहीं बल्कि कई दिनों तक चल सकती है। कोशिश यह है कि एक अस्थायी समझौता यानी श्दळ साइन हो जाए, जिससे सीजफायर आगे बढ़ सके और करीब 60 दिन का समय मिल जाए ताकि बड़ा शांति समझौता तैयार किया जा सके। लेकिन यह सब तभी संभव है जब ईरान इसमें हिस्सा ले।पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स- भारतीय जहाजों पर फायरिंगः ईरान ने होर्मुज में 2 भारतीय जहाजों पर फायरिंग की। 14 जहाज रोके गए, 13 लौटे। भारत ने राजदूत को तलब कर विरोध जताया। होर्मुज स्ट्रेट फिर बंदः ईरान ने अमेरिका पर सीजफायर उल्लंघन का आरोप लगाते हुए स्ट्रेट दोबारा बंद किया। दूसरी बैठक पर संशयः ईरान ने इस्लामाबाद में होने वाले शांति वार्ता के दूसरे दौर में शामिल होने से इनकार कर दिया है। ईरान ने अमेरिका की मांगों और नाकेबंदी को इस फैसले का मुख्य कारण बताया है। तेल की कीमतें बढ़ीं: ईरान के साथ बढ़ते तनाव के बीच तेल की कीमतों में तेज उछाल आया है। अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड करीब 6.5फीसदी की तेजी के साथ 96.27 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया। ट्रम्प की चेतावनीः ट्रम्प ने कहा है कि ईरान के पास शांति समझौते के लिए यह आखिरी मौका है। उन्होंने कहा कि वह पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा की तरह वही गलती नहीं दोहराएंगे।

श्रीलंकाई राष्ट्रपति से भारतीय उपराष्ट्रपति ने की चर्चा, तेल हब पर भी विचार,श्रीलंका से भारत तक ऑयल पाइपलाइन

कोलंबो। भारत के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन श्रीलंका की ऐतिहासिक यात्रा पर हैं। यह किसी भी भारतीय उपराष्ट्रपति की श्रीलंका की पहली द्विपक्षीय यात्रा है, जो रिश्तों में नया अध्याय जोड़ती है। भारतीय उपराष्ट्रपति रविवार सुबह उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ कोलंबो पहुंचे। यात्रा के पहले दिन उन्होंने श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के साथ मुलाकात की। इस दौरान भारत और श्रीलंका के बीच सीधी पाइपलाइन को लेकर चर्चा हुई। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने इस बारे में जानकारी दी है। भारत-श्रीलंका के बीच सीधी पाइपलाइन-कोलंबो में विक्रम मिस्री ने पत्रकारों को बताया कि श्रीलंका के राष्ट्रपति के साथ हुई बैठक में भारत और द्वीपीय देश के साथ ऑयल पाइपलाइन के साथ ही उत्तर-पूर्वी बंदरगाह त्रिंकोमाली में प्रस्तावित तेल हब पर भी चर्चा हुई। उन्होंने बताया कि इस प्रोजेक्ट में संयुक्त अरब अमीरात भी शामिल है और इस पर 2023 से ही बातचीत चल रही है। भारतीय विदेश सचिव ने इस परियोजना को तत्काल शुरू करने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष का हवाला दिया, जिसने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को बाधित किया है और कीमतों में भारी बढ़ोतरी की है। इस संघर्ष की शुरुआत के बाद से ही श्रीलंका को ईंधन और बिजली की बढ़ती कीमतों का सामना करना पड़ रहा है। यह द्वीपीय देश तेल और कोयले के पूरी तरह आयात पर निर्भर है। भारत, श्रीलंका और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने एक साल पहले एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इस समझौते का मकसद दक्षिण एशिया के इन दो पड़ोसी देशों को जोड़ने वाली एक मल्टी-प्रोडक्ट तेल पाइपलाइन बिछाना और त्रिंकोमाली में एक तेल भंडारण परिसर स्थापित करना है। श्रीलंका के त्रिंकोमाली में पहले से ही ब्रिटिश औपनिवेशिक काल का 99 टैंक वाला एक तेल भंडारण केंद्र मौजूद है। इसे द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान तैयार किया गया था। एक भारतीय तेल कंपनी ने श्रीलंका के साथ समझौते किए हैं, जिसके तहत 14 टैंक इस्तेमाल किए जा रहे हैं। भारत और श्रीलंका ने पिछले साल इस प्रस्तावित हब का विस्तार करके इसमें एक रिफाइनरी शामिल करने की उम्मीद जताई थी।

त्रिस्तरीय पंचायत की निर्वाचक नामावली का पुनः निरिक्षण कार्यक्रम संशोधित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मा0 राज्य निर्वाचन आयोग, उत्तर प्रदेश लखनऊ की अधिसूचना (संशोधन) के क्रम में जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत एवं नगरीय निकाय) रायबरेली हर्षिता माथुर ने रविवार को बताया है कि पूर्व निर्गत सार्वजनिक सूचना (संशोधन) में आंशिक संशोधन करते हुए जनपद रायबरेली में निर्धारित समय सारिणी के अनुसार त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावली हेतु कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने बताया है

कि निर्धारित समय सारिणी के अनुसार 21 अप्रैल 2026 से 28 मई 2026 तक मतदाताओं के Deduplication एवं कम्प्यूटरीकरण की कार्यवाही की जाएगी। 29 मई 2026 से 09 जून 2026 तक कम्प्यूटरीकरण के उपरांत मतदेय केंद्र/स्थलों का क्रमांकन, मतदेय स्थलों के वार्डों की मैपिंग, मतदाता क्रमांकन, एसवीएन आवंटन, मतदाता सूची की डाउनलोडिंग आदि किया जाएगा। 10 जून 2026 को निर्वाचक नामावलियों का जनसामान्य के लिए अन्तिम प्रकाशन किया जायेगा। जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) ने निर्देश दिए है कि निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/अपर जिलाधिकारी (प्रशासन), रायबरेली, समस्त उपजिलाधिकारी/सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, जनपद रायबरेली एवं समस्त खण्ड विकास अधिकारी/समन्वयक अधिकारी/नोडल अधिकारी, Deduplication जनपद रायबरेली द्वारा तद्नुसार अग्रेतर कार्यवाही की जाएगी। निर्वाचक नामावली पुनरीक्षण के दौरान पड़ने वाले सार्वजनिक अवकाश दिवसों में सम्बन्धित कार्यालय खुले रहेंगे तथा निर्धारित समय सारिणी के अनुसार निर्वाचक नामावली का कार्य पूर्ण कराया जाएगा।

भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम की जयंती की पूर्व संध्या पर होटल गणेश में किया गया भव्य आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम की जयंती

की पूर्ण संध्या पर सुनिए कथा रघुनाथ की समिति के द्वारा एक भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रमुख संत श्री गोविंद भाई द्वारा किया गया। भगवान परशुराम की चित्र पर माल्यार्पण कर उनकी आरती की गई और उपस्थित समस्त लोगों को यज्ञोपवीत वितरित किया गया तथा सभी को टीका और अंग वस्त्र पहनाकर कर सम्मानित किया गया। लगभग 1000 उपस्थित लोगों के मध्य विभिन्न वक्ताओं द्वारा भगवान परशुराम के जीवन से संबंधित मुख्य मुख्य बातें बताई गई। संत गोविंद भाई द्वारा भगवान परशुराम के संबंध में कुछ रोचक घटनाएं प्रस्तुत की गईं। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम ने विभिन्न आताताइयों का संहार कर धर्म की स्थापना की। उन्होंने कहा कि यह गलत है कि भगवान परशुराम जी क्षत्रियों के दुश्मन थे, भगवान परशुराम जी ने केवल हैय्या हैय्या वंशियों का 21 बार संहार किया,क्योंकि उस समय इन लोगों ने काफी अत्याचार मचा रखा था। इन लोगों ने भगवान परशुराम के पिता जमदग्नि ऋषि का कत्ल किया था। परशुराम जी पितृ भक्त एवं मातृभक्त दोनों ही थे उन्होंने अपने पिता की आज्ञा पर अपनी माता का सिर धड़ से अलग कर दिया और फिर पिताजी को प्रसन्न कर माता जी को जीवित करने का वरदान प्राप्त किया, जिससे उनकी माताजी पुनः जीवित हो सकी। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से विवेक मिश्रा उर्फ पल्लू मिश्रा, राजन दीक्षित, राजू शुक्ला ,शैलेंद्र अग्निहोत्री, मनीष त्रिपाठी, सौरभ पांडे, गजेंद्र शुक्ला ,अभिषेक उपाध्याय ,अजय मिश्रा एडवोकेट, शशिकांत शुक्ला एडवोकेट, विवेक बाजपेई एडवोकेट, अनिल दुबे एडवोकेट, देवेश शुक्ला एडवोकेट ,संजीव शुक्ला एडवोकेट, आनंद दिक्षित एडवोकेट, योगेंद्र दीक्षित एडवोकेट ,महामंत्री सेंट्रल बार एसोसिएशन विकास त्रिपाठी एडवोकेट ,मधु शर्मा एडवोकेट, अविरल द्विवेदी ,रवि शंकर त्रिवेदी एडवोकेट नंबरदार, राकेश त्रिपाठी एडवोकेट, अध्यक्ष बार एसोसिएशन, योगेश मिश्रा, ऋषि मिश्रा एवं सुनिये कथा रघुनाथ की सेवा समिति के समस्त पदाधिकारीगण, दीपू सिंह राजेंद्र सिंह आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन शेखर शुक्ला एडवोकेट द्वारा किया गया।

ब्लॉक और तहसील स्तर के शिवालयों पर आयोजित किए गए कार्यक्रम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी सुधीर गिरी ने बताया है गुजरात में अवस्थित द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से प्रथम सोमनाथ मन्दिर केवल धार्मिक स्थल नहीं, अपितु भारत की आत्मा, गौरव और सांस्कृतिक दृढता का जीवन्त प्रतीक है। शासन के निर्देशानुसार सोमनाथ मन्दिर पर हुए प्रथम आक्रमण के 1000 वर्ष एवं मन्दिर के पुनरुद्धार के 75 वर्ष पूर्ण होने के अवसर को 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' अटूट अस्था के 1000 वर्ष कार्यक्रम के रूप में मनाया जा रहा है तथा इस हेतु पूरे देश में व्यापक जनभागीदारी के साथ वर्षपर्यन्त कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। सोमनाथ स्वाभिमान पर्व का स्मरणोत्सव का मुख्यतः 02 स्तम्भों (आयोजन व यात्रा) के माध्यम से परिकल्पित किये जाने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि इसी क्रम में आज जनपद के ब्लॉक और तहसील स्तर पर शिवालयों (शिव संध्या, रुद्राभिषेक, महाआरती, प्रवचन, दीपोत्सव, आदि के कार्यक्रम आयोजित किए गए। शिवालयों में स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। आयोजन के अन्तर्गत सामूहिक मन्त्रोचार, ओंकार जाप, सोमनाथ संकल्प संवाद, प्रवचन, सोमनाथ पर आधारित गाथा प्रस्तुतीकरण से शिवालयों में स्थानीय लोगों द्वारा भजन संध्याओं के आयोजन जन भागीदारी के साथ किए गए। उन्होंने बताया कि सोमनाथ यात्रा की प्रस्तावित तिथि के दिन आज यात्रा लखनऊ में मुख्य कार्यक्रम के उपरान्त सोमनाथ गुजरात के लिए मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। यात्रा के अन्तर्गत जनपद से 08 लोगों को लखनऊ ले जाकर यात्रा में सम्मिलित कराकर यात्रा के लिए रवाना किया गया।

जल जीवन मिशन में रायबरेली की सराहना,डीएम पेयजल 'संवाद' में सम्मानित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। भारत सरकार के

जल शक्ति मंत्रालय द्वारा संचालित 'जल जीवन मिशन' के तहत रायबरेली जनपद ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। दिनांक 15.04.2026 को नई दिल्ली में आयोजित 'पेयजल संवाद' के 7वें संस्करण में रायबरेली की जिलाधिकारी हर्षिता माथुर को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें ग्रामीण जल आपूर्ति के प्रभावी कार्यान्वयन, नवाचार और सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से 'हर घर जल' के लक्ष्य को गति देने के लिए प्रदान किया गया है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित इस उच्च स्तरीय संवाद की अध्यक्षता जल जीवन मिशन के सचिव श्री अशोक के. के. मीणा ने की। इस दौरान राष्ट्रीय मिशन निदेशक कमल किशोर सोन ने जिलाधिकारी द्वारा दी गई प्रस्तुति की सराहना करते हुए कहा कि रायबरेली में अपनाई गई रणनीतियां और डेटा-संचालित सूचना तंत्र अन्य जिलों के लिए प्रेरणादायी है। जिलाधिकारी के नेतृत्व में जिले ने न केवल तकनीकी रूप से बल्कि जन-भागीदारी के मामले में भी नए मानक स्थापित किए हैं। संवाद के दौरान जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने जिले में जेजेएम 2.0 और स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण के दूसरे चरण को लेकर किए जा रहे प्रयासों का विवरण साझा किया। उन्होंने बताया कि प्रशासन का मुख्य उद्देश्य हर ग्रामीण परिवार को शुद्ध पेयजल सुनिश्चित करना और गांवों को ओडीएफ प्लस मॉडल के रूप में विकसित करना है। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश जल निगम के प्रबंध निदेशक डॉ. राजशेखर, राज्य मिशन निदेशक प्रभास कुमार, मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) विशाल कुमार यादव और अधिशाषी अभियंता एस. रहमान सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

'हरहुआ रिंग रोड चौराहा बना 'मौत का अड्डा', महीनों से बंद ट्रैफिक सिग्नल, बढ़ रहे हादसे

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) वाराणसी। हरहुआ रिंग रोड घटनाएं हो रही हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि कई वाराणसी-गाजीपुर मार्ग, बाबतपुर एयरपोर्ट और अन्य महत्वपूर्ण

चौराहा इन दिनों लगातार हादसों का केंद्र बनता जा रहा है। यहां महीनों से ट्रैफिक सिग्नल लाइट बंद पड़ी है, जिसके कारण यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि जहां एक ओर ट्रैफिक पुलिस चालान की कार्रवाई में सक्रिय दिखाई देती है, वहीं दूसरी ओर सिग्नल लाइट को दुरुस्त कराने की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।रोजाना हो रहे हादसे, लोग दहशत में चौराहे पर वाहन बिना किसी नियंत्रण के गुजर रहे हैं, जिससे आए दिन छोटी-बड़ी टक्कर की गंभीर हादसे हो चुके हैं और कुछ मामलों में जानमाल की हानि भी हुई है। रात के समय स्थिति और भी गंभीर हो जाती है क्योंकि उस समय ट्रैफिक पुलिस की मौजूदगी भी कम हो जाती है, जिससे चौराहा पूरी तरह अराजक हो जाता है। व्यापारियों और स्थानीय लोगों में नाराज़गी-आसपास के दुकानदारों और व्यापारियों ने बताया कि सिग्नल लाइट लंबे समय से खराब है, लेकिन प्रशासन ने इसे ठीक कराने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। अहम रूट होने के बावजूद अनदेखी-यह चौराहा स्थानों को जोड़ता है। यहां वीआईपी मूवमेंट भी होता है, इसके बावजूद व्यवस्था की अनदेखी पर सवाल उठ रहे हैं। वाजिदपुर पंचकोशी मार्ग भी प्रभावित-इसी तरह वाजिदपुर पंचकोशी मार्ग चौराहे पर भी ट्रैफिक व्यवस्था कमजोर बनी हुई है। तेज रफ्तार वाहनों के कारण यहां भी लगातार दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है, जिससे खासकर स्कूली बच्चों को सड़क पार करने में दिक्कत होती है।ग्रामीणों ने फुटओवर ब्रिज या स्थायी ट्रैफिक व्यवस्था की मांग कई बार उठाई है, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

महानगर के पॉश इलाके में गहरी खुदाई से खतराः मानकों को ताक पर रख रात के अंधेरे में चल रही मशीनें

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) झाँसी। महानगर के पॉश इलाके स्थानीय निवासियों का कहना है कि रात के समय भी तेज परिवहन के वैध परमिट मौजूद हैं? और क्या सुरक्षा मानकों

सिविल लाइंस में गहरी खुदाई को लेकर सुरक्षा मानकों पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। आरोप है कि रात के अंधेरे में भी भारी मशीनों से काम जारी है, जिससे आसपास के लोगों में दहशत का माहौल है। सिविल लाइंस क्षेत्र में एक निर्माणाधीन स्थल पर करीब 45 से 50 फीट तक गहरी खुदाई की जा रही है। यह इलाका चार सितारा होटल, पेट्रोल पंप और बहुमंजिला इमारतों से घिरा हुआ है, मौके पर दिन-रात भारी मशीनों, जैसे जेसीबी और डम्फरों की आवाजाही जारी है। आवाज और लगातार मिट्टी-पत्थर की ढुलाई हो रही है, जिससे हादसे की आशंका बढ़ गई है। विशेषज्ञों के अनुसार नेशनल बिल्डिंग कोड और स्थानीय प्राधिकरण के नियमों के अनुसार गहरी खुदाई से पहले सॉइल टेस्टिंग, शोरिंग और रिटेनिंग वॉल जैसे सुरक्षा उपाय अनिवार्य होते हैं। लेकिन मौके पर ऐसे इंतजाम न के बराबर बताए जा रहे हैं।इस पूरे मामले में विकास प्राधिकरण और खनिज विभाग की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। क्या इतनी गहराई की अनुमति दी गई है? क्या खनिज का पालन कराया जा रहा है? वहीं निर्माण से जुड़े लोगों का कहना है कि उनके पास 45 फीट तक खुदाई की विधिवत अनुमति है और यह काम पूरी तरह नियमों के तहत किया जा रहा है। हालांकि, उनके इस दावे के बावजूद मौके पर सुरक्षा इंतजामों की कमी चिंता का विषय बनी हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बारिश या जमीन के अंदर पानी के स्तर में बदलाव होने पर यह गहरी खुदाई आसपास की इमारतों और पेट्रोल पंप के लिए खतरा बन सकती है।

स्मार्ट मीटर ऐजुकेटेड जेबकतरो की स्कीम है जनता के लिए-संदीप मिश्र

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा का तथा किसानों के गेहूँ को तत्काल खरीद सभी केन्द्रों पर करने तथा गाव गरिब के प्रतिनिधि को दिया गया आज के कार्यक्रम में प्रमुख रुप से विन्दू प्रसाद खरवार

प्रतिनिधि मण्डल जिलाधिकारी कार्यालय पर पहुँच कर स्मार्ट मीटर को पूरी तरह से बन्द करने व बिजली विभाग। के विजलेन्स टीम की जांच करवाने तथा जेई व एसडिओ व बिजली विभाग के अधिशासी अभियन्ता की जाँच करने किसान मजदूर व व्यापारी जिनके भी घर जबरदस्ती बिजली विभाग वालो ने स्मार्ट मीटर लगाया है जो जनता की जेब पर सीधे सीधे डकैती है इसको तत्काल बन्द किया जाय इस तरह की मांग का पत्रक माननीय मुख्यमंत्री जी को सम्बोधित जिलाधिकारी मुखलाल चेरो नगेन्द्र धागर प्रमोद तिरकी आकाश चौहान सत्रुधन बिन्द विवेक जाटव धीरज कनौजिया विक्की पटेल धीरेन्द्र मौर्य सर्वेष तिवारी अनिश पासवान राहुल विश्वकर्मा सजय बियार व सैकड़ों मोर्चा के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नीरज चौधरी एवं संतोष कुमार मिश्र बने संविदा कर्मचारी एकता संघ के अध्यक्ष एवं महामंत्री

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। आलमबाग बस स्टेशन पर संविदा कर्मचारी एकता संघ उ.प्र.संगठन के प्रथम त्रैवार्षिक अधिवेशन में संघ का चुनाव भी सम्पन्न हुआ। इस चुनाव में नीरज चौधरी ओएजी प्रथम इटावा को प्रदेश अध्यक्ष एवं संतोष कुमार मिश्रा को महामंत्री चुना गया। इसके अलावा हरिशंकर तिवारी प्रयागराज क्षेत्र को वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष सोनी गुप्ता कानपुर क्षेत्र को उपाध्यक्ष,अजीत यादव आजमगढ़ क्षेत्र को प्रदेश संगठन मंत्री,शैलेन्द्र शर्मा जी कोषाध्यक्ष पद पर चयनित किए गए। चयनित पदाधिकारी का कहना है कि वे संघ के माध्यम से अपनी लड़ाई जारी रखेंगे।

तेज धूप एवं लू के कारण जनपद के समस्त मान्यता प्राप्त विद्यालयों के समय में किआ गया परिवर्तन

विद्यालय का संचालन प्रातः 7:30 बजे से 12:00 बजे तक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिला विद्यालय निरीक्षक श्री जय राम सिंह ने अवगत कराया है कि जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में जनपद के समस्त राजकीय, अशासकीय सहायता प्राप्त, वित्तीय विहीन माध्यमिक विद्यालय सी0बी0एस0ई0, आई0सी0एस0ई0 बोर्ड के विद्यालस तेज धूप एवं लू के कारण बच्चो के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव के दृष्टिगत जनपद के कक्षा 9 से 12 तक के समस्त कक्षाओं के शिक्षण कार्य प्रातः 07:30 बजे से 12:00 बजे तक किया जायेगा। उक्त आदेश का अनुपालन सभी विद्यालय कड़ाई के साथ सुनिश्चित करेगें।

ढोल नगाड़ों के साथ निकली भगवान परशुराम जी की भव्य शोभायात्रा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। रविवार वैशाख मास शुक्ल पक्ष की शाम कालीन बेला तिवारी के द्वारा संपन्न किया गया इसके पश्चात दृष्टि पांडे के द्वारा भजन प्रस्तुत किए गए इसके बाद

में तृतीया तिथि पर , अक्षय तृतीया तिथि पर भगवान परशुराम जी का जन्मोत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ रिफॉर्म क्लब मैदान में संपन्न किया गया संस्थापक अध्यक्ष राजेंद्र अवस्थी ने बताया कि इस वर्ष प्रथम बार भगवान श्री परशुराम जी की शोभायात्रा सुबह मार्केट से चंद्रापुर मंदिर यूनियन बैंक चौराहा हाथी पार्क होते हुए अस्पताल चौराहे से रिफॉर्म क्लब मैदान में पहुंची थी जिसमें हजारों भक्तों ने केसरिया झंडा के साथ भगवान परशुराम की जय कार के साथ उद्घोष किया चंद्रत्पुर मंदिर बाबा जगमोहनेश्वर धाम में राज परिवार की ओर से छोटे राजा श्री हरसेंद्र सिंह ने जगतगुरु स्वामी उपेंद्र आनंद पीठाधीश्वर नेमीशरण सीतापुर तथा हनुमानगढ़ी के पीठाधीश्वर आचार्य पवन दास जी महाराज को अंग वस्त्र पहनकर के एवं माला पहना करके आशीर्वाद प्राप्त किया वहां से शोभा यात्रा रिफॉर्मक्लब के लिए प्रस्थान की रिफॉर्म क्लब मैदान में सर्वप्रथम सुंदरकांड का पाठ श्री मनोज मथुरा वृंदावन से श्री गोपाल शरण जी महाराज का उद्बोधन संपन्न हुआ शक्ति जागरण ग्रुप के मुकेश शुक्ला के द्वारा भावपूर्ण लक्ष्मण परशुराम संवाद का चित्रण किया गया जिसका दर्शकों ने मुक्त कंठ से सराहना किया पवन दास जी महाराज ने अपने उद्बोधन में हनुमान जी को कलयुग का प्रमुख देवता मानते हुए कथा परसराम जी और हनुमान जी को चिरंजीव मानते हुए दोनों लोगों की आराधना को प्रमुखता से वर्णन किया इसके पश्चात समाज में ब्रह्म समाज के पांच वरिष्ठ सदस्यों की माहिती भूमिका के लिए प्रशंसा पत्र अध्यक्ष के द्वारा वितरित किया गया जिसमें डॉक्टर भुवनेश्वरी तिवारी, संगम लाल शुक्ला, अनिल दिक्षित, सत्यभामा शुक्ला, एवं गिरजा शंकर त्रिपाठीआदि लोगों को पंडित सूर्यकांत मिश्र स्मृति सम्मान से सम्मानित किया गया इसके उपरांत सीबीएसई हाई स्कूल में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्र श्रेयांश मिश्रा न्यू स्टैंडर्ड पब्लिक स्कूल सलोन एवं आख्या शुक्ला स्टैंडर्ड पब्लिक स्कूल को भी सम्मानित किया गया।

पाकेट 7 सेक्टर 82 में मनाया गया भगवान् परशुराम का जन्मोत्सव, भगवान परशुराम धर्म और वीरता के प्रतीक हैं - संजय शुक्ला

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। भगवान बिष्णु के छठे

अवतार भगवान परशुराम को याद करते हुये उनका जन्मदिवस बड़े धूमधाम से मनाया गया।इस अवसर पर समाजवादी पार्टी नोयडा महानगर सचिव एवं मिथिला समाज के नेता पंकज झा ने बताया कि परशुराम जन्मोत्सव हिंदू धर्म में भगवान विष्णु के छठे अवतार के रुप में मनाया जाता है। यह पर्व वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को आता है, जिसे अक्षय तृतीया भी कहा जाता है। शिव शक्ति अपार्टमेंट सेक्टर 71 के आर डब्ल्यू ए महासचिव संजय शुक्ला ने बताया कि भगवान परशुराम जन्मोत्सव केवल एक धार्मिक पर्व ही नहीं, बल्कि हिंदू संस्कृति में वीरता, धर्म और ज्ञान की आराधना का प्रतीक भी है। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से हंसमणि शुक्ल, बिपिन झा, राधव चौधरी, सर्वेश तिवारी, प्रकाश जोशी, अमरेश झा, रुपेश झा, मुरारी झा, मनीष पांडे, राजकुमार जी, दीपक तिवारी, आर के शर्मा, प्रवीण शुक्ला, रामबाबू झा, राहुल कुमार,संतोष यादव, मुकेश मिश्रा , बलराम कर्ण, अंशु झा इत्यादि लोगों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किये।

आधुनिक युग के डिज़ाइन और भरोसे का संगमः लालता प्रसाद ज्वेलर्स (एलपीजे) शोरूम का भव्य शुभारंभ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) वाराणसी। अर्दली बाजार स्थित लालता प्रसाद ज्वेलर्स (एलपीजे) के नए शोरूम का भव्य उद्घाटन उत्साह और गरिमा के साथ संपन्न हुआ। उद्घाटन समारोह में क्षेत्र के गणमान्य अतिथियों, स्थानीय व्यापारियों तथा बड़ी संख्या में नागरिकों की उपस्थिति रही, जिससे पूरा वातावरण उत्सवमय बन गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रविंद्र जायसवाल (राज्यमंत्री - स्वतंत्र प्रभार) ने फीता काटकर शोरूम का शुभारंभ किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रतिष्ठानों की स्थापना से स्थानीय व्यापार को नई दिशा मिलती है और रोजगार के अवसर भी सृजित होते

हैं। इस अवसर पर संस्थान के संचालक परिवार – केशव प्रसाद गुप्ता, संदीप कुमार गुप्ता, प्रदीप कुमार एवं मोहित गुप्ता – ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि एलपीजे ग्राहकों को आधुनिक डिज़ाइन, उच्च गुणवत्ता, शुद्धता और विश्वास के साथ आभूषण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही, उन्होंने यह भी घोषणा की कि आगामी अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर ग्राहकों के लिए विशेष आकर्षक ऑफर्स उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे खरीदारी का अनुभव और भी खास बन सके। उद्घाटन समारोह में उपस्थित लोगों ने नए शोरूम के प्रति उत्साह व्यक्त किया और इसे क्षेत्र के व्यापारिक विकास में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

भारतीय श्रमजीवी पत्रकार संघ की ब्लॉक इकाई ब्यौहारी की मासिक बैठक सम्पन्न,,

'संगठित और मर्यादित संगठन है आईएफडब्ल्यूजे': विधायक शरद जुगलाल कोल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) शहडोल/ब्यौहारी। भारतीय श्रमजीवी पत्रकार संघ (आईएफडब्लूजे) शहडोल जिला इकाई की ब्यौहारी ब्लॉक इकाई की मासिक बैठक 18 अप्रैल को स्थानीय रेस्ट हाउस में अत्यंत गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय विधायक शरद जुगलाल कोल उपस्थित रहे, जबकि बैठक की अध्यक्षता प्रदेश संगठन प्रभारी राहुल सिंह राणा ने की। विशिष्ट अतिथियों में प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष अरविंद द्विवेदी, प्रदेश सचिव जुनैद खान, जिला अध्यक्ष शैलेंद्र तिवारी, जिला महासचिव अजय पाल, संभागीय उपाध्यक्ष गणेश केवट, संभागीय सचिव जितेंद्र विश्वकर्मा एवं ब्लॉक अध्यक्ष सोहागपुर अजय केवट की उपस्थिति ने आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की। बैठक की शुरुआत संगठनात्मक विषयों पर चर्चा के साथ हुई, जिसमें वर्ष 2026 के लिए सभी सदस्यों को परिचय पत्र (आई कार्ड) वितरित किए गए। इसके साथ ही आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत समीक्षा कर रणनीति तय की गई। पत्रकारों को संगठित और मर्यादित देखाःशरद-इस अवसर पर विधायक शरद जुगलाल कोल ने अपने संक्षिप्त किन्तु प्रभावशाली संबोधन में कहा कि 'भारतीय श्रमजीवी पत्रकार संघ एक संगठित, अनुशासित और मर्यादित संगठन है, जो पत्रकारों के अधिकारों और सम्मान की रक्षा के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। ऐसे संगठनों की मजबूती लोकतंत्र के लिए बेहद आवश्यक है।' उनके इस वक्तव्य ने उपस्थित पत्रकारों में नई ऊर्जा का संचार किया। बैठक का महत्व इस कारण भी बढ़ गया कि हाल ही में राष्ट्रीय स्तर पर नियुक्त किए गए

पदाधिकारी के सम्मान में यह पहली बैठक आयोजित हुई।नवनियुक्त पदाधिकारी का सम्मान-आईएफडब्ल्यूजे के राष्ट्रीय अध्यक्ष अवधेश भार्गव द्वारा, प्रांताध्यक्ष उपेंद्र गौतम की सहमति एवं संगठन प्रभारी राहुल सिंह राणा की अनुशंसा पर कमलेश श्रीवास्तव को नेशनल काउंसलर, अरविंद द्विवेदी प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष, जुनैद खान को प्रदेश सचिव नियुक्त किया गया। इस अवसर पर उनका भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया, जिससे संगठन के प्रति सदस्यों की प्रतिबद्धता और भी मजबूत दिखाई दी। बैठक में प्रदेश संगठन प्रभारी राहुल सिंह राणा, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष अरविंद द्विवेदी एवं प्रदेश सचिव जुनैद खान की गरिमामयी उपस्थिति रही। साथ ही शहडोल जिला इकाई के जिलाध्यक्ष शैलेंद्र तिवारी, महासचिव अजय पाल, संभागीय उपाध्यक्ष गणेश केवट, संभागीय सचिव जितेंद्र विश्वकर्मा एवं ब्लॉक अध्यक्ष सोहागपुर अजय केवट के साथ ब्यौहारी के दर्जनों पत्रकारों ने सहभागिता कर संगठन की एकजुटता का परिचय दिया। संभागीय पदाधिकारी नियुक्त-बैठक में ब्यौहारी ब्लॉक इकाई के नीलेश सोनी को संभागीय उपाध्यक्ष एवं बृजकिशोर तिवारी को संभागीय सचिव की घोषणा संगठन प्रभारी द्वारा की गई। संभागीय, जिला एवं ब्लॉक सम्मेलन को लेकर अहम निर्णय-बैठक में सर्वसम्मति से आगामी 1 मई 2026 को शहडोल संभागीय इकाई के जिला एवं ब्लॉक इकाई के शपथ ग्रहण समारोह एवं मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान समारोह आयोजित करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। इस आयोजन की जिम्मेदारी जिला कार्यकारी अध्यक्ष विजय गुप्ता, ब्लॉक अध्यक्ष सतीश तिवारी, ब्लॉक कार्यकारी अध्यक्ष संजय सिंह एवं ब्लॉक महासचिव रामराज गुप्ता को सौंपी गई, जिनके साथ सभी पदाधिकारी मिलकर आयोजन को सफल बनाएंगे। ये रहे उपस्थित-बैठक में प्रमुख रूप से राहुल सिंह राणा, अरविंद द्विवेदी, कमलेश श्रीवास्तव, शैलेंद्र तिवारी, अजय पाल, जुनैद खान, जितेंद्र विश्वकर्मा, गणेश केवट, अजय केवट, नीलेश सोनी, विजय गुप्ता, सतीश तिवारी, रामराज गुप्ता, बृज किशोर तिवारी, संजय सिंह, दुर्गेश गुप्ता, विकास शर्मा, सुरेंद्र नामदेव, जितेंद्र लखेरा सहित अन्य पत्रकार साथी उपस्थित रहे। अंततः यह बैठक केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं रही, बल्कि इसने संगठनात्मक एकजुटता, पत्रकारों के हितों की रक्षा और भविष्य की योजनाओं को एक सशक्त दिशा देने का कार्य किया। आईएफडब्ल्यूजे की यह पहल निश्चित ही पत्रकारिता के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव और मजबूती का मार्ग प्रशस्त करेगी।

नोएडा महानगर में बजरंग दल ने लव जिहाद के विरुद्ध किया विशाल प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)नोएडा। रविवार को नोएडा महानगर में बजरंग दल, संयोजक विनोद चौहान द्वारा राष्ट्रहित और सामाजिक सुरक्षा के संकल्प के साथ एक विशाल विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। यह प्रदर्शन नोएडा महानगर और देश के विभिन्न हिस्सों में बढ़ती 'लव जिहाद' की घटनाओं और कट्टरपंथी मानसिकता के विरुद्ध हिंदू समाज की एकजुटता को दर्शाने के लिए किया गया। नोएडा महानगर विनोद चौहान संयोजक बजरंगदल ने कहा कि राष्ट्र, संस्कृति और समाज की सुरक्षा हेतु हमारा संकल्प अटल है। हम हिंदू समाज की बहन-बेटियों की सुरक्षा और अस्मिता के साथ खिलवाड़ करने वाली ताकतों को बर्दाश्त नहीं करेंगे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मंत्री दिनेश महावर, जी ने कहा कि लव जिहाद, अवैध धर्मांतरण और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों पर लगाम लगाने के लिए कठोरतम कानून और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। विभाग संगठन मंत्री मुनेंद्र जी उनके साथ विभाग मंत्री ललित जी, नोएडा विभाग भी मौजूद रहे भारी संख्या में कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक बिजलीघर (सब माल, अट्टा चौक)पर एकत्रित हुए। यहाँ से 'जय श्री राम' और 'भारत माता की जय' के गगनभेदी नारों के

साथ एक विशाल मार्च निकाला गया। कार्यकर्ताओं का यह जत्था अट्टा चौक से होते हुए सिटी मजिस्ट्रेट ऑफिस (सेक्टर 19) तक पहुँचा। विरोध स्वरूप लव जिहाद की मानसिकता का कड़ा आक्रोश व्यक्त किया गया। प्रदर्शन के समापन पर हनुमान चालीसा पाठ किया गया जिला प्रशासन (एडीएम/सिटी मजिस्ट्रेट) के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति के नाम एक औपचारिक ज्ञापन सौंपा गया। अनिल चतुर्वेदी जी ने सभी संगठन के पदाधिकारियों ने इस पूरे कार्यक्रम को सफल, व्यवस्थित और शांतिपूर्ण बनाने के लिए नोएडा पुलिस (गौतम बुद्ध नगर पुलिस) के विशेष सहयोग की सराहना की और उनका हार्दिक धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष राजीव जी, प्रचार प्रसार राहुल दुबे, बजरंग दल सह संयोजक विनोद बॉक्सर, प्रवेश प्रवीन, सूरज मिश्रा, रोहित, श्यामवीर जी, एम. के. श्रीवास्तव , , नरेन्द्र जी ,प्रकाश जीङ सहित सैकड़ों समर्पित कार्यकर्ताओं, और गणमान्य नागरिकों ने अपनी आहुति दी।

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICI

ADDRESS- Naini,Prayagraj U.P-211008. PAN No. ABJPA1540R,Reg.No.03-0068604

Regd. Under Additional Director General of Police U.P. vide Reg. No. 2453
+91-7985619757,+91-7007472337

We Are Providing Security & Manpower Services in School/ University/Institute/ Hospital/Office Premises

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES:-
takes great pleasure in Providing Security arrangement and Office Staff for your Organization premises. We have with us talented and well trained Disciplined persons, each having exposure to industrial/commercial security and intelligence knowledge in their field. Our personnel's are physically fit, courageous disciplined and well trained in their field. They are bold but polite, peace loving but not coward, friendly but shrews while duty, sharp in act but very claim and affable where presence of mind is lost by the common man, ailing but smelling the red hounds, work in the common climate but vigilant and faithfully to the organization. It is on account of the above trait that our services are engaged by reputed organization which consists of Schools, University, Banks, Government, industrial Concern, Hotels, Hospitals, Educational Institutes, Housing Societies/Bungalows, Semi Government and Government Organization.

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES is registered by:-
Additional Director General of Police, (Law & Order), Deputy Labour Commissioner, Employees Provident Fund Organization, Employees State Insurance Corporation, Goods & Services Tax, MSME Registration..(Govt. of India)

FOR JOB CONTACT:- 9569430885

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES Manpower Category:-
Assignment Manager, Housekeeping Manager, Assignment Supervisor, Housekeeping Supervisor, Accountant, Driver, Computer Operator, Electrician, Data Entry operator, Carpenter, Clerk, Office Boy, M.T.S, Sweeper, Peon, Gardner, Computer Teacher, Agriculture Labour, TGT & PGT Teacher, Quality/Technical Manpower as per your requirement

जीएल बजाज में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का दूसरा दिन सफलतापूर्वक संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। जीएल बजाज इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट एंड रिसर्च में आयोजित '9th इंटरनेशनल कांफ्रेंस ग्लोबल बिज़नेस इनोवेशंसः इनक्लूशन एंड एक्सपेंशन के दूसरे दिन विभिन्न तकनीकी सत्रों, शोध पत्र प्रस्तुतियों एवं पुरस्कार वितरण समारोह का सफल आयोजन किया गया।सम्मेलन के दूसरे दिन मैनेजमेंट एंड रिसर्च में आयोजित '9वीं इंटरनेशनल कांफ्रेंस ग्लोबल बिज़नेस इनोवेशंसः इनक्लूशन एंड एक्सपेंशन के दूसरे दिन विभिन्न तकनीकी सत्रों, शोध पत्र प्रस्तुतियों एवं पुरस्कार वितरण समारोह का सफल आयोजन किया गया। सम्मेलन के दूसरे दिन मार्केटिंग, फाइनेंस, डेटा एनालिटिक्स, एचआर, ऑपरेशंस एवं सप्लाई

मार्केटिंग, फाइनेंस, डेटा एनालिटिक्स, एचआर, ऑपरेशंस एवं सप्लाई चेन, केस स्टडी तथा स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट जैसे विविध क्षेत्रों में शोधार्थियों एवं फैकल्टी सदस्यों द्वारा उत्कृष्ट शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। प्रतिभागियों ने अपने शोध के माध्यम से समकालीन व्यावसायिक चुनौतियों एवं नवाचारों पर गहन विचार प्रस्तुत किए। इस अवसर पर विभिन्न श्रेणियों में 'बेस्ट पेपर अवॉर्ड' प्रदान किए गए। फैकल्टी एवं रिसर्च स्कॉलर्स श्रेणी में विजेताओं के नाम इस प्रकार रहे– मार्केटिंग इनोवेशन में कनिका राणा, अर्हिता उप्पल, सोनाली बनर्जी एवं प्रियंका चड्ढा; फाइनेंस इनोवेशन में प्रियंका सेंगर एवं दैत्री तिवारी; डेटा एनालिटिक्स इनोवेशन में हर्षिका सोंधी एवं प्रवीण गोयल; ऑपरेशंस एवं सप्लाई चेन में रेनू दीक्षित एवं श्रुति शास्त्री; केस स्टडी इनोवेशन में सुनील कादयान, मनीष शर्मा एवं टीना हसिजा; एचआर इनोवेशन में शेफाली पंवार, टीना चौधरी, ज्योति गौर एवं दिव्या सिंह; साथ ही 'वर्कप्लेस साइकोलॉजी ऑफ जनरेशन ज़ी (नेक्स्ट लेवल)' में पूजा सिंह एवं अजय के चौहान तथा 'क्वाइट क्विटिंग' विषय पर अर्पणा कुमारी एवं अनुजा शुक्ला को सम्मानित किया गया; स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट इनोवेशन में मनीषा सिंह तथा 'एंटरप्रेन्योरियल इंटेंशन इन न्यू वेंचर डेवलपमेंट' विषय पर नमिता राजपूत, वैशाली शर्मा एवं मोनिका गुप्ता विजेता रहीं। स्टूडेंट्सजीएल बजाज में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का दूसरा दिन सफलतापूर्वक संपन्न-ग्रेटर नोएडा जीएल बजाज इंस्टिट्यूट ऑफ़ चेन, केस स्टडी तथा स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट जैसे विविध क्षेत्रों में शोधार्थियों एवं फैकल्टी सदस्यों द्वारा उत्कृष्ट शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। प्रतिभागियों ने अपने शोध के माध्यम से समकालीन व्यावसायिक चुनौतियों एवं नवाचारों पर गहन विचार प्रस्तुत किए।इस अवसर पर विभिन्न श्रेणियों में 'बेस्ट पेपर अवॉर्ड' प्रदान किए गए। फैकल्टी एवं रिसर्च स्कॉलर्स श्रेणी में विजेताओं के नाम इस प्रकार रहे-मार्केटिंग इनोवेशन में कनिका राणा, अर्हिता उप्पल, सोनाली बनर्जी एवं प्रियंका चड्ढा; फाइनेंस इनोवेशन में प्रियंका सेंगर एवं दैत्री तिवारी; डेटा एनालिटिक्स इनोवेशन में हर्षिका सोंधी एवं प्रवीण गोयल; ऑपरेशंस एवं सप्लाई चेन में रेनू दीक्षित एवं श्रुति शास्त्री; केस स्टडी इनोवेशन में सुनील कादयान, मनीष शर्मा एवं टीना हसिजा; एचआर इनोवेशन में शेफाली पंवार, टीना चौधरी, ज्योति गौर एवं दिव्या सिंह; साथ ही 'वर्कप्लेस साइकोलॉजी ऑफ जनरेशन ज़ी (नेक्स्ट लेवल)' में पूजा सिंह एवं अजय के चौहान तथा 'क्वाइट क्विटिंग' विषय पर अर्पणा कुमारी एवं अनुजा शुक्ला को सम्मानित किया गया; स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट इनोवेशन में मनीषा सिंह तथा 'एंटरप्रेन्योरियल इंटेंशन इन न्यू वेंचर डेवलपमेंट' विषय पर नमिता राजपूत, वैशाली शर्मा एवं मोनिका गुप्ता विजेता रहीं।स्टूडेंट्स श्रेणी में संस्थान के तुषार वर्मानी एवं मोहिन रुहेला जीएल बजाज इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट एंड रिसर्च मार्केटिंग ट्रैक में प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि फाइनेंस ट्रैक में आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के प्रतिभागियों ने विजय हासिल की। सम्मेलन के दौरान फैकल्टी एवं रिसर्च स्कॉलर्स श्रेणी तथा स्टूडेंट्स श्रेणी के विजेताओं को नकद पुरस्कार राशि प्रदान की गई। साथ ही सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। इस अवसर पर श्री पंकज अग्रवाल, वाइस चेयरमैन, जीएल बजाज ग्रुप ऑफ़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस ने कहा कि ऐसे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन नवाचार, शोध और वैश्विक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के मंच युवा शोधकर्ताओं को नई दिशा प्रदान करते हैं। वहीं डॉ सपना राकेश, निदेशक, जीएल बजाज इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट एंड रिसर्च ने अपने संबोधन में कहा कि संस्थान शोध और नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों, आयोजकों एवं विजेताओं को बधाई देते हुए भविष्य में और अधिक प्रभावशाली शोध कार्यों की अपेक्षा जताई। कार्यक्रम का समापन उत्साहपूर्ण वातावरण एवं सकारात्मक प्रतिक्रिया के साथ हुआ, जिसने इस आयोजन को अत्यंत सफल बना दिया। श्रेणी में संस्थान के तुषार वर्मानी एवं मोहिन रुहेला जीएल बजाज इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट एंड रिसर्च मार्केटिंग ट्रैक में प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि फाइनेंस ट्रैक में आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के प्रतिभागियों ने विजय हासिल की। सम्मेलन के दौरान फैकल्टी एवं रिसर्च स्कॉलर्स श्रेणी तथा स्टूडेंट्स श्रेणी के विजेताओं को नकद पुरस्कार राशि प्रदान की गई। साथ ही सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। इस अवसर पर श्री पंकज अग्रवाल, वाइस चेयरमैन, जीएल बजाज ग्रुप ऑफ़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस ने कहा कि ऐसे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन नवाचार, शोध और वैश्विक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के मंच युवा शोधकर्ताओं को नई दिशा प्रदान करते हैं। वहीं डॉ सपना राकेश, निदेशक, जीएल बजाज इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट एंड रिसर्च ने अपने संबोधन में कहा कि संस्थान शोध और नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों, आयोजकों एवं विजेताओं को बधाई देते हुए भविष्य में और अधिक प्रभावशाली शोध कार्यों की अपेक्षा जताई। कार्यक्रम का समापन उत्साहपूर्ण वातावरण एवं सकारात्मक प्रतिक्रिया के साथ हुआ, जिसने इस आयोजन को अत्यंत सफल बना दिया।

अक्षय तृतीया पर 'जीरो चाइल्ड मैरिज डे' अभियान का आगाज

बाल विवाह रोकने को प्रशासन-संगठन एकजुट

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। शनिवार को अक्षय तृतीया के अवसर पर सोनभद्र

विकास समिति सोनभद्र एवं चाइल्ड राइट्स एंड यू के सहयोग से 'जीरो चाइल्ड मैरिज डे' अभियान का आगाज किया गया। अभियान का उद्देश्य अक्षय तृतीया पर होने वाले संभावित बाल विवाह को रोकना और 'बाल विवाह मुक्त भारत' के संकल्प को साकार करना है। संस्था के सचिव राजेश चौबे ने बताया कि अभियान के तहत संस्था कार्य क्षेत्र के ग्राम कुकराही, हर्दिहवा, अमौली, रैपुरा और ओढिया में जागरूकता कार्यक्रम चलाए गए। उन्होंने कहा कि बाल विवाह के कारण कम उम्र की लड़कियों को आर्थिक, मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना झेलनी पड़ती है। इसका उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य और बेहतर भविष्य पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। सचिव राजेश चौबे ने सभी सामाजिक संस्थाओं, महिला समूहों, ग्राम प्रधानों, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, आशा बहुओं, शिक्षकों और समाज सेवकों से अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय निगरानी रखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि बाल विवाह की किसी भी सूचना को तुरंत प्रशासन तक पहुंचाएं। सूचना देने के लिए हेल्पलाइन नंबर 181, 1098 और 112 पर संपर्क किया जा सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि लड़की की उम्र 18 वर्ष और लड़के की उम्र 21 वर्ष से कम है, तो ऐसा विवाह बाल विवाह की श्रेणी में आता है, जो कानूनन अपराध है। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि बाल विवाह कराने में शामिल पंडित, मौलवी, टेंट हाउस संचालक, बैंड, मैरिज हॉल, हलवाई, माता-पिता और अन्य सहयोगी सभी दोषी माने जाएंगे। बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के तहत दोषियों को दो वर्ष तक का कारावास, एक लाख रुपये तक का जुर्माना या दोनों सजा हो सकती है। प्रशासन ने आश्वस्त किया है कि सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। जिला प्रशासन ने लोगों से बालिकाओं का भविष्य सुरक्षित करने के लिए बाल विवाह रोकने में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की है। सामाजिक कार्यकर्ता सुनीता ने बताया कि बाल विवाह रोकथाम के साथ ही संचारी रोगों की रोकथाम के लिए भी जागरूक किया गया। जागरूकता अभियान में सोनभद्र विकास समिति की काउंसलर साधना सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता रेखा, रिना शर्मा, रीमा, सुनीता, कोऑर्डिनेटर दिनेश कुमार, आंगनवाड़ी कार्यकत्री सहित बड़ी संख्या में बच्चे, किशोरियां एवं महिलाएं उपस्थित रहीं।

गेहूं ठेसरिंग के दौरान मजदूर की मौत पर हंगामा,प्रधान संघ ने डीएम-एसपी को सौंपा ज्ञापन, दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। कर्मा क्षेत्र के सरौली

ग्राम में गेहूं की थ्रेसिंग के दौरान शनिवार को मजदूर की मौत के बाद मुआवजे को लेकर हुए विवाद और प्रशासन के कथित दुर्व्यवहार पर प्रधान संघ ने कड़ा विरोध जताया है। शनिवार को प्रधान संघ ने जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक और भाजपा जिलाध्यक्ष को ज्ञापन सौंपकर दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग की। सरौली के प्रधान प्रतिनिधि आलोक मिश्रा के ग्राम में मजदूर की मौत के बाद मुआवजे की मांग को लेकर ग्रामीणों, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि और प्रशासन के बीच झड़प हो गई थी। आरोप है कि इस दौरान प्रशासन द्वारा दुर्व्यवहार किया गया। भाजपा नेता विपिन तिवारी की अगुवाई में कर्मा प्रधान प्रतिनिधि मंडल ने जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक और भाजपा जिलाध्यक्ष से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने दुर्व्यवहार करने वाले पुलिसकर्मियों पर तत्काल कार्रवाई की मांग की। प्रधान प्रतिनिधि मंडल ने चेतावनी दी कि यदि कार्रवाई नहीं हुई तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। इस मौके पर जड़ेरुआ प्रधान राज कुमार, चाडी प्रधान विकास सिंह, बहेरा प्रधान प्रतिनिधि धीरज सिंह, मिंटू सिंह बट प्रधान समेत बड़ी संख्या में अन्य प्रधान मौजूद रहे। प्रधान संघ ने कहा कि जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों के साथ दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

श्री राणी सती दादी भक्त महिला मंडल की नई कार्यकारिणी गठित,अनिता थरड चौथी बार बनीं अध्यक्ष

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। श्री राणी सती दादी

भक्त महिला मंडल की बैठक में सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन शनिवार को किया गया। लगातार चौथी बार अनिता थरड को अध्यक्ष चुना गया। इसके साथ ही मीरा जालान को कोषाध्यक्ष और पूनम खेतान को सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में उपस्थित सभी भक्तों ने पूर्ण सहमति से तीनों पदाधिकारियों के नाम पर मुहर लगाई। नव-निर्वाचित अध्यक्ष अनिता थरड ने कहा कि मंडल का उद्देश्य दादी के प्रति आस्था को मजबूत करना और सामाजिक-धार्मिक कार्यों को आगे बढ़ाना है। उन्होंने सभी सदस्यों का आभार जताते हुए कहा कि संगठन को और सक्रिय बनाने के लिए सभी का सहयोग जरूरी है। कोषाध्यक्ष मीरा जालान ने मंडल के आय-व्यय में पारदर्शिता बनाए रखने का संकल्प लिया, वहीं सचिव पूनम खेतान ने आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार कर सभी को जोड़ने की बात कही। इस अवसर पर माला जालान, सरोज जालान, संतोष जालान, अनीता कानोडिया, सुमन केजरीवाल, चाँदनी अग्रवाल, रितु अग्रवाल, सीला जैन, सुषमा शर्मा, ममता जालान, नीलम अग्रवाल समेत अन्य महिला सदस्य मौजूद रहीं। सभी ने नई टीम को बधाई दी और दादी के जयकारे लगाए। बैठक का समापन प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

एएचटी पुलिस की संयुक्त कार्रवाई मानव तस्करी गिरोह का एक आरोपी गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। थाना रॉबर्ट्सगंज एवं थाना एएचटी पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में शनिवार को संगठित

मानव तस्करी गिरोह का सफल अनावरण हुआ है। पुलिस ने वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन, क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर मिश्रा के पर्यवेक्षण तथा थाना एएचटी प्रभारी निरीक्षक माधव सिंह एवं प्रभारी निरीक्षक रॉबर्ट्सगंज रामस्वरूप वर्मा के नेतृत्व में मानव तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत यह सफलता मिली। थाना रॉबर्ट्सगंज पर पंजीकृत भारतीय न्याय संहिता एवं पॉक्सो एक्ट के प्रकरण में वांछित अभियुक्त शिव सिंह उर्फ रामलाल पुत्र चरन सिंह, निवासी वार्ड नं0 50 कच्ची सराय, थाना निहालगंज, जनपद धौलपुर, राजस्थान, उम्र लगभग 45 वर्ष को शनिवार को ग्राम पवर क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। प्रभारी निरीक्षक माधव सिंह व उ0नि0 रणजीत सिंह की टीम ने मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ा। पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि उसने पीड़िता को काम दिलाने का झांसा देकर आगरा एवं अलीगढ़ ले जाकर अन्य साथियों के साथ मिलकर लगभग 1,20,000 रुपये में बेच दिया। पीड़िता को अलग-अलग स्थानों पर रखा गया और उसके साथ शारीरिक शोषण किया गया, जिससे वह गर्भवती हो गई। पुलिस के अनुसार यह अपराध संगठित गिरोह द्वारा किया गया है। अन्य सह-अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए प्रयास जारी हैं। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध विधिक कार्रवाई कर न्यायालय में चालान किया जा रहा है। गिरफ्तारी टीम में प्रभारी निरीक्षक माधव सिंह, उ0नि0 रणजीत सिंह, आरक्षी अमरजीत यादव और आरक्षी धनंजय यादव शामिल रहे।

महिला अधिकारों को रोक रहा विपक्ष, भाजपा महिला मोर्चा का प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र । नारी शक्ति वंदन अधिनियम (संविधान 131वां संशोधन विधेयक) के लोकसभा में विशेष बहुमत से पारित न हो पाने

के बाद जिले में राजनीतिक माहौल गरमा गया है। इस मुद्दे को लेकर शनिवार को रॉबर्ट्सगंज के स्वर्ण जयंती चौक पर भाजपा महिला मोर्चा की पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया तथा विपक्षी दलों पर गंभीर आरोप लगाए। प्रदर्शन के दौरान महिला मोर्चा की पदाधिकारियों ने विपक्षी दलों पर महिला सशक्तिकरण के विरोध में काम करने का आरोप लगाते हुए जमकर नारेबाजी की। क्षेत्रीय उपाध्यक्ष कुसुम शर्मा ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं को राजनीतिक भागीदारी में मजबूत बनाने वाला ऐतिहासिक कदम था, लेकिन विपक्ष ने इसका विरोध कर अपनी सोच को उजागर किया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष महिलाओं को नीति निर्माण में आगे बढ़ते नहीं देखना चाहता, इसलिए इस महत्वपूर्ण विधेयक को रोकने का प्रयास किया गया। वहीं भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष पुष्पा सिंह ने कहा कि यह विधेयक महिलाओं को अधिकार और सम्मान देने की दिशा में एक बड़ा कदम था, जिसे रोकना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी दल लगातार महिला सशक्तिकरण के विरोध में खड़े नजर आते हैं, जो उनकी मानसिकता को दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा कि केंद्र सरकार लगातार महिलाओं के उत्थान और आत्मनिर्भरता के लिए कार्य कर रही है, लेकिन विपक्ष विकास और महिला सशक्तिकरण की हर पहल का विरोध कर रहा है। इसे उन्होंने महिला अधिकारों के खिलाफ खड़ी मानसिकता बताया। भाजपा महिला मोर्चा ने संकेत दिया कि इस मुद्दे को आने वाले चुनावों में प्रमुखता से उठाया जाएगा और जनता के बीच विपक्ष की भूमिका को उजागर किया जाएगा। प्रदर्शन में जिला उपाध्यक्ष आशा विश्वकर्मा, तारा देवी, कंचन देवी, रितु अग्रहरि, रीता गुप्ता, रगीता सहित बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता मौजूद रहीं।

केन्द्रीय ब्राह्मण महासभा, सोनभद्र ने मनायी परशुराम जयन्ती- संजय मिश्रा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। केन्द्रीय ब्राह्मण महासभा, सोनभद्र कार्यालय-बभनौली कालोनी, नियर चण्डी तिराहा, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र अध्यक्ष संजय मिश्रा कि अगुवाई में परशुराम जयंती का कार्यक्रम हुआ सम्पन। गौरतलब है कि रविवार को हर्षोल्लास के साथ परशुराम जयंती मनाई गयी। यह वैशाख शुक्ल तृतीया को भगवान विष्णु के छठे अवतार के जन्म के रूप में मनाई जाती है। भगवान परशुराम को न्याय, साहस और धर्म का प्रतीक माना जाता है, जिनका जन्म ऋषि जमदग्नि और माता रेणुका के घर हुआ था। परशुराम जयंती की मुख्य बातेंः चिरंजीवी अवतारः पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान परशुराम आठ चिरंजीवियों में से एक हैं और कलियुग के अंत तक जीवित रहेंगे। महत्वः इस दिन भगवान शिव से प्राप्त 'फरसा' (कुल्हाड़ी) धारण करने वाले परशुराम जी की पूजा की जाती है, जिससे जीवन में आत्म विश्वास और साहस बढ़ता है। उनके पराक्रम और शिक्षाओं का स्मरण किया जाता है। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी

फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड

कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

Enjoy Publicity

गर्मियों में बढ़ता हार्ट अटैक का रिस्क,कार्डियोलॉजिस्ट से समझें इसका साइंस, हार्ट को करें प्रोटेक्ट, 6 बातें ध्यान रखें

नयी दिल्ली। गर्मियों में पसीने और थकान की समस्या कॉमन है। इस दौरान हार्ट बीट में बदलाव भी होता है। अमूमन लोग इसे मौसम का सामान्य असर मानकर

नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन तेज गर्मी में डिहाइड्रेशन के कारण ब्लड सर्कुलेशन प्रभावित हो सकता है। इसके चलते हार्ट पर वर्कलोड बढ़ सकता है।

'अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन' के मुताबिक, गर्मी बढ़ने पर कार्डियोवस्कुलर इमरजेंसी और हॉस्पिटल विजिट्स बढ़ जाती हैं। खासतौर पर बुजुर्गों और हार्ट

पेशेंट्स को ज्यादा ध्यान देने की जरूरत होती है। इसलिए 'फिजिकल हेल्थ' में आज जानेंगे कि गर्मियों में हार्ट पर क्या असर

पड़ता है। साथ ही जानेंगे कि-

कार्डियोवस्कुलर डिजीज का किसे ज्यादा रिस्क होता है? कौन-सी आदतें ये रिस्क बढ़ा सकती हैं? हार्ट को हेल्दी रखने के लिए क्या सावधानियां जरूरी हैं? सवाल- गर्मियों में टेम्परेचर बढ़ने से हार्ट पर क्या प्रभाव पड़ता है? जवाब- गर्मी बढ़ने पर बॉडी को अपना कोर टेम्परेचर कंट्रोल करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। इसका हार्ट पर ये असर होता है- वैसोलिडेशन (ब्लड वेसल्स का फैलना) होता है, इससे बीपी लो हो सकता है। हार्ट को बॉडी कूलिंग के लिए स्किन की तरफ ब्लड फ्लो बढ़ाना पड़ता है। हार्ट कूलिंग में बिजी होता है तो सभी ऑर्गन्स तक ब्लड पहुंचाने में ज्यादा मेहनत पड़ती है। पसीने से फ्लूइड और इलेक्ट्रोलाइट्स घटने पर हार्ट रेट प्रभावित होती है। ओवरहीटिंग होने पर बॉडी की ऑक्सीजन की जरूरत बढ़ती है, जिससे हार्ट पर दबाव बढ़ सकता है।सवाल- क्या गर्मियों में हार्ट अटैक का रिस्क बढ़ जाता है? जवाब- हां, तेज गर्मी में शरीर में पानी और नमक की कमी से ब्लड गाढ़ा हो सकता है, जिससे-हार्ट को ब्लड पंप करने में ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। ओवरहीटिंग और लो बीपी से हार्ट पर स्ट्रेस बढ़ सकता है। जिन्हें कोई कार्डियोवस्कुलर डिजीज है, उन्हें ज्यादा जोखिम होता है। सवाल- क्या हीट वेव के दौरान हार्ट-अटैक के केसेज बढ़ जाते हैं? जवाब- हां, 'यूरोपियन सोसायटी ऑफ कार्डियोलॉजी' के मुताबिक, हीट वेव में हार्ट अटैक के केस बढ़ जाते हैं। दरअसल, हीट वेव के कारण डिहाइड्रेशन और इलेक्ट्रोलाइट इंबैलेंस हो सकता है, जिससे- ब्लड वेसल्स पर दबाव पड़ता है, हार्ट रेट बढ़ जाती है। हीट स्ट्रोक होने पर हार्ट फंक्शनिंग प्रभावित हो सकती है। पर्याप्त कूलिंग और पानी न मिलने पर रिस्क बढ़ सकता है।सवाल- क्या डिहाइड्रेशन होने पर हार्ट अटैक का रिस्क बढ़ सकता है? जवाब- डिहाइड्रेशन होने पर शरीर में ब्लड वॉल्यूम कम हो जाता है। इससे हार्ट को ब्लड पंप करने में ज्यादा दबाव पड़ता है। ब्लड गाढ़ा होने से क्लॉटिंग का रिस्क बढ़ सकता है। इलेक्ट्रोलाइट इंबैलेंस से हार्टबीट अनियमित हो सकती है। लंबे समय तक डिहाइड्रेशन से कार्डियोवस्कुलर रिस्क बढ़ जाता है। सवाल- गर्मी के मौसम में और हीटवेव में हार्ट अटैक केसेज बढ़ने का कारण क्या हैं? जवाब- गर्मी बढ़ने पर शरीर होमियोस्टेसिस (बॉडी का कोर टेम्परेचर कंट्रोल करने की प्रक्रिया) एक्टिव कर देता है। इससे हार्ट को ब्लड पंप करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। ज्यादा पसीने से फ्लूइड और मिनरल लॉस हो सकता है। शरीर का ब्लड सर्कुलेशन प्रभावित हो सकता है। ओवरहीटिंग से हार्ट रेट और ऑक्सीजन डिमांड बढ़ सकती है। इसलिए लंबे समय तक ज्यादा गर्मी रहने से हार्ट अटैक के केसेज बढ़ जाते हैं। सवाल- हार्ट अटैक के लक्षण क्या हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए? क्या ये गर्मियों में अलग हो सकते हैं? जवाब- हार्ट अटैक होने पर अचानक हार्ट तक ब्लड सप्लाई कम हो जाती है, जिससे टिश्यू डैमेज होने लगते हैं। इससे असहजता महसूस होती है। गर्मियों में इसके साथ डिहाइड्रेशन और हीट स्ट्रोक

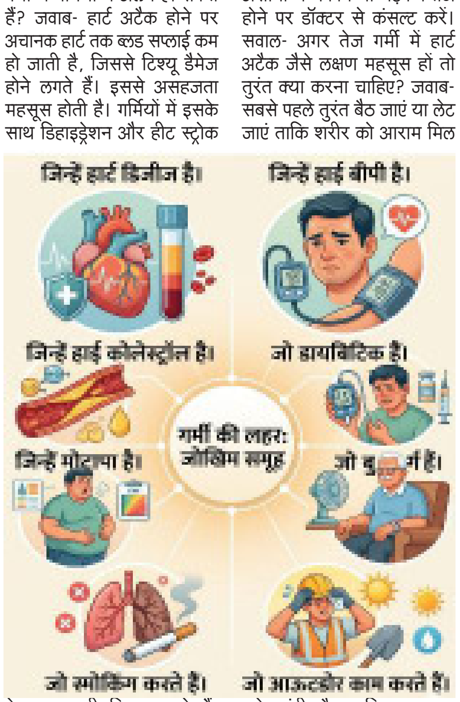

के लक्षण भी दिख सकते हैं, सवाल- अगर बीपी, डायबिटीज या मोटापे की समस्या है तो क्या इससे भी हार्ट अटैक का रिस्क बढ़ता है? जवाब- हां, हाई बीपी में ब्लड वेसल्स पर लगातार दबाव रहता है, जिससे हार्ट पर लोड बढ़ता है। डायबिटीज में ब्लड शुगर ज्यादा रहने से नर्व्स और हार्ट टिश्यू डैमेज हो सकते हैं। मोटापे से शरीर की ऑक्सीजन जरूरत और कार्डियक वर्कलोड बढ़ जाता है। इन सभी कंडीशंस में ब्लड क्लॉटिंग का ज्यादा रिस्क रहता है। सवाल- गर्मियों में कौन-सी आदतें हार्ट पर अतिरिक्त दबाव डालती हैं, जिनसे बचना चाहिए? जवाब- ये आदतें हार्ट पर अतिरिक्त दबाव डालती हैं- तेज धूप में लंबे समय तक बिना ब्रेक काम करना। कम पानी पीना और कैफीन या एनर्जी ड्रिंक लेना। हैवी, ऑयली और ज्यादा नमक वाला भोजन करना। बहुत देर रात कर जागना। इंटेंस एक्सरसाइज या ओवरवर्क करना।स्ट्रेस और गुस्सा कंट्रोल न करना। सवाल- गर्मियों में हेल्दी हार्ट के लिए लाइफस्टाइल में क्या बदलाव करने चाहिए? जवाब- इसके लिए लाइफस्टाइल में करें ये बदलाव- सुबह या शाम मॉडरेट वॉक और योग करें। दिन में काम के बीच ब्रेक लें और शरीर को आराम दें। वजन संतुलित रखने के लिए डेली एक्टिव रूटीन अपनाएं। माइंडफुल ब्रीदिंग या मेडिटेशन से नर्वस सिस्टम को कूल रखें। मौसम के अनुसार हल्के कपड़े पहनें और आरामदायक शेड्यूल रखें। आउटडोर प्लानिंग करते समय टेम्परेचर और हीट इंडेक्स का ध्यान रखें। सवाल- गर्मियों में हार्ट हेल्थ के लिए कैसी डाइट लेनी चाहिए? जवाब- हेल्दी हार्ट के लिए पानी से भरपूर फल खाएं। सवाल- जिन लोगों को कोई हार्ट डिजीज है, उन्हें गर्मियों में क्या सावधानियां बरतनी चाहिए? जवाब- तेज धूप और हीट एक्सपोजर से बचने के लिए ये करें- टेम्परेचर बढ़ने पर भारी काम या इंटेंस एक्सरसाइज करने से बचें। कूल, हवादार और शेड वाली जगह पर रहें। मेडिकेशन पर हैं तो दवाएं सही समय पर लें। हार्ट हेल्थ के लिए सुपाच्य, कम नमक और कम फैट वाली डाइट लें। ट्रैवल या आउटडोर एक्टिविटी से पहले अपनी हेल्थ कंडीशन मॉनिटर करें। असामान्य थकान या धड़कन तेज होने पर डॉक्टर से कंसल्ट करें। सवाल- अगर तेज गर्मी में हार्ट अटैक जैसे लक्षण महसूस हों तो तुरंत क्या करना चाहिए? जवाब- सबसे पहले तुरंत बैठ जाएं या लेट जाएं ताकि शरीर को आराम मिल सके। ठंडी और सुरक्षित जगह पर जाएं, जिससे ओवरहीटिंग कम हो सके। आसपास के लोगों को परेशानी बताएं और इमरजेंसी मेडिकल हेल्प लें। अगर कपड़े टाइट हों तो ढीले कर दें, ताकि ब्लड फ्लो सही बना रहे। खुद गाड़ी चलाकर अस्पताल जाने की कोशिश न करें, एम्बुलेंस बेहतर विकल्प है।

गर्मियों में कैसा हो स्किन केयर रूटीन,डर्मेटोलॉजिस्ट से समझें अपना स्किन टाइप और उसकी जरूरत

नयी दिल्ली। गर्मियों में कपड़े-खानपान के साथ स्किन की जरूरतें भी बदल जाती हैं। तेज धूप, पसीना और पॉल्यूशन स्किन पर सीधा असर डालते हैं। ऐसे में अगर आप सर्दियों वाला ही स्किन केयर रूटीन फॉलो करते हैं तो स्किन ऑयली, डल या एक्ने-प्रोन हो सकती है। दरअसल, गर्मियों में यूवी (अल्ट्रा वॉयलेट) किरणें और ह्यूमिडिटी स्किन बैरियर को नुकसान पहुंचा सकती हैं। इससे टैनिंग, पिग्मेंटेशन और इन्फेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए 'जरूरत की खबर' में जानेंगे कि- गर्मियों में स्किन केयर रूटीन कैसा होना चाहिए? कौन-सी गलतियां स्किन को नुकसान पहुंचाती हैं? गर्मियों में स्किन को हेल्दी और ग्लोइंग कैसे रखें? विषय को सवाल जवाब के माध्यम से समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. संदीप अरोड़ा, सीनियर कंसल्टेंट, डर्मेटोलॉजी, अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, दिल्ली जी के साथ -सवाल- गर्मियों में स्किन केयर रूटीन बदलना क्यों जरूरी है? जवाब- ये सिर्फ एक ट्रेंड नहीं, बल्कि साइंस बेस्ड जरूरत है। इन कारणों से गर्मियों में स्किन केयर रूटीन बदलना जरूरी है- ज्यादा स्वेटिंग, गर्मी में ज्यादा पसीना आता है। इससे स्किन के पोर्स ब्लॉक होने लगते हैं और पिंपल्स, रैशेज बढ़ते हैं। यूवी रेज-गर्मी में धूप ज्यादा होती है। यूवी रेज डायरेक्ट स्किन पर पड़ती हैं। इससे टैनिंग, सनबर्न और पिग्मेंटेशन का रिस्क ज्यादा होता है। डिहाइड्रेशन-तेज गर्मी और पसीने की वजह से भी शरीर में पानी की कमी हो जाती है। इससे स्किन ड्राई और डल होती है। सवाल- क्या हर स्किन टाइप के लिए स्किन केयर रूटीन अलग होता है? जवाब- हां, हर स्किन की जरूरत अलग होती है। हर स्किन की प्रॉब्लम अलग होती है। वह अलग तरीके से रिएक्ट करती है। इसलिए एक ही प्रोडक्ट और तरीका सब पर काम नहीं करता। सवाल- हर स्किन टाइप के हिसाब से गर्मियों का कंप्लीट स्किन केयर रूटीन क्या होना चाहिए? जवाब- नीचे स्टेप-बाय-स्टेप पूरा प्रोसेस देखें- 1. ऑयली स्किन, सुबह फेसवॉश से मुंह धोएं। फेसवॉश जेल बेस्ड होना चाहिए। एल्कोहल फ्री टोनर लगाएं। ऑयल फ्री मॉइश्चराइजर लगाएं। एसपीएफ 30 प्लड सनस्क्रीन लगाएं। रात सोने से पहले फेसवॉश से मुंह धोएं। ऑयल कंट्रोल सीरम लगाएं।मॉइश्चराइजर लगाएं। वीकली 2 से 3 बार क्ले मास्क लगाएं। ये ऑयल एब्जॉर्ब करता है। 1-2 बार स्क्रब करें। ड्राई स्किन सुबह फेस वॉश से मुंह धोएं।फेस वॉश क्रीम बेस्ड होना चाहिए। हाइड्रेटिंग टोनर लगाएं। उसके बाद मॉइश्चराइजर लगाएं। मॉइश्चराइजर सेरामाइड/हाइलूरोनिक एसिड बेस्ड होना चाहिए।हाइड्रेटिंग सनस्क्रीन लगाएं। रात फेस वॉश से मुंह धोएं। हाइड्रेटिंग सीरम लगाएं। नाइट क्रीम लगाएं। वीकली-1-2 बार हाइड्रेटिंग मास्क लगाएं। 1-2 बार चेहरे को स्क्रब करें। बहुत ज्यादा स्क्रब करने से बचें। कॉम्बिनेशन स्किन सुबह-माइल्ड फेसवॉश से मुंह धोएं। लाइट वेट मॉइश्चराइजर लगाएं। उसके बाद सनस्क्रीन लगाएं। सनस्क्रीन ग्रीसी नहीं होना चाहिए। टी -जोन पर ऑयल कंट्रोल सीरम लगाएं। रात-फेसवॉश से मुंह धोएं। हल्का हाइड्रेटिंग सीरम लगाएं।मॉइश्चराइजर लगाएं। वीकली-टी -जोन पर ऑयल कंट्रोल क्ले मास्क लगाएं। गालों पर हाइड्रेटिंग क्ले मास्क लगाएं। 1-2 बार स्क्रब करें। सेंसिटिव स्किन-सुबह-जेंटल फेस वॉश से मुंह धोएं। फेस वॉश फ्रेग्रेंस फ्री होना चाहिए। एलोवेरा बेस्ड मॉइश्चराइजर लगाएं। मिनरल बेस्ड सनस्क्रीन लगाएं। सनस्क्रीन में जिंक ऑक्साइड हो। रात-फेस वॉश करें। एलोवेरा बेस्ड मॉइश्चराइजर लगाएं। वीकली-सूदिंग फेस मास्क लगाएं। चेहरा स्क्रब न करें। सवाल- गर्मियों में स्किन ज्यादा

ऑयली क्यों हो जाती है? जवाब- जवाब नीचे पॉइंटर्स में देखें- स्किन में सेबेसियस ग्लैंड्स होते हैं, जो सीबम यानी ऑयल बनाते हैं। गर्मी में तापमान बढ़ने से ये ग्लैंड ज्यादा एक्टिव हो जाते हैं। गर्मी में ज्यादा पसीना होता है। ऑयल और पसीना मिलने से स्किन चिपचिपी हो जाती है। गर्मी में ह्यूमिडिटी भी होती है, जिससे ऑयल उड़ नहीं पाता और स्किन से चिपका रहता है। इसलिए स्किन के पोर्स भी जल्दी ब्लॉक हो जाते हैं। हॉर्मोन भी ऑयल प्रोडक्शन पर असर डालते हैं। - गलत स्किन केयर रूटीन कई तरीकों से स्किन को डैमेज कर सकता है। अगर आप सर्दियों वाला रूटीन गर्मियों में भी जारी रखते हैं तो इससे पिंपल्स से लेकर पिग्मेंटेशन तक की समस्या बढ़ सकती है। सवाल- दिन में कितनी बार फेस वॉश से मुंह धोना चाहिए? जवाब- दिन में दो बार मुंह धोना चाहिए। सुबह उठने के बाद और रात में सोने से पहले। सवाल- क्या दिन में 3-4 बार भी फेसवॉश से मुंह धो सकते हैं? जवाब- नहीं। ज्यादा मुंह धोने से-स्किन ड्राई हो सकती है। नेचुरल ऑयल बैलेंस बिगड़ता है। ऑयल प्रोडक्शन बढ़ सकता है। सवाल- क्या समर में टोनर लगाना जरूरी है? जवाब- यह एकदम अनिवार्य नहीं है। लेकिन मुंह धोने के बाद एल्कोहल फ्री टोनर लगाना स्किन के लिए फायदेमंद होता है। सवाल- मॉइश्चराइजर गर्मियों में भी लगाना चाहिए या नहीं? जवाब- हां, गर्मियों में भी मॉइश्चराइजर लगाना जरूरी है। यह हर स्किन टाइप के लिए जरूरी है क्योंकि- यह स्किन को हाइड्रेट रखता है। स्किन बैरियर को मजबूत करता है। ऑयल प्रोडक्शन को बैलेंस करता है। ड्राइनेस और इरिटेशन से बचाता है। मॉइश्चराइजर न लगाने पर स्किन ज्यादा ऑयल प्रोड्यूस करती है। सवाल- गर्मियों में कितने एसपीएफ का सनस्क्रीन लगाना चाहिए? जवाब- सनस्क्रीन चुनते हुए अपनी डेली एक्टिविटी का ध्यान रखें-इनडोर जॉब (जो घर/ऑफिस में ज्यादातर समय बिताते हैं)- एसपीएफ30 सनस्क्रीन आउटडोर जॉब (जो धूप में ज्यादा रहते हैं)- एसपीएफ 50 सनस्क्रीनसवाल- सनस्क्रीन दिन में कितनी बार लगाना चाहिए? जवाब- ये सिर्फ एक बार लगाना काफी नहीं। इसलिए- सुबह मुंह धोकर लगाएं। बाहर जा रहे हैं तो हर 3-4 घंटे में री-अप्लाई करें। ज्यादा धूप में हैं तो हर 2 घंटे में री-अप्लाई करें। पसीना ज्यादा हो तो री-अप्लाई करें। सवाल- क्या घर के अंदर भी सनस्क्रीन लगाना चाहिए? जवाब- हां, इन स्थितियों में घर के अंदर भी सनस्क्रीन लगाएं- अगर खिड़की के पास बैठते हैं। अगर घर में सीधे सनलाइट आती है। अगर लैपटॉप/मोबाइल यूज ज्यादा है। अगर स्किन में पिग्मेंटेशन/एक्ने है। सवाल- क्या पसीना से पिंपल्स, रैशेज बढ़ सकते हैं? जवाब- हां, ज्यादा पसीना आने से ये प्रॉब्लम बढ़ सकती है। सवाल- क्या गर्मियों में बार-बार मेकअप लगाने से स्किन को नुकसान होता है? जवाब- हां, इससे स्किन डैमेज हो सकती है। इसके कारण समझें- मेकअप पसीने और ऑयल के साथ मिलकर पोर्स को बंद कर देता है। इससे एक्ने, ब्लैकहेड्स बढ़ सकते हैं। गर्मी में मेकअप मेल्ट होता है। इससे स्किन पर लेयर्स बढ़ जाती हैं। पसीने वाली त्वचा पर मेकअप लगाने से बैक्टीरिया बढ़ सकते हैं। इससे पिंपल्स और स्किन इरिटेशन हो सकता है।

फर्मेंटेड फूड खाने से बच्ची की मौत,गर्मियों में ओवर फर्मेंटेशन से इन हेल्थ प्रॉब्लम्स का रिस्क, बरतें 5 सावधानियां

नयी दिल्ली। ओडिशा के मयूरभंज जिले के एक सरकारी स्कूल में फर्मेंटेड चावल खाने के बाद एक 12 साल की बच्ची की मौत हो गई। वहीं 150 से ज्यादा बच्चे बीमार पड़ गए। बच्चों ने पखाला भात (फर्मेंटेड चावल),

आलू भरता और आम की चटनी खाई थी। इसे खाने के तुरंत बाद उल्टी, दस्त और बेचैनी जैसे लक्षण सामने आए। दरअसल, गर्मियों में ज्यादा टेम्परेचर और ह्यूमिडिटी के कारण फर्मेंटेशन प्रक्रिया तेज हो जाती है, जिससे खाना जल्दी खराब होता है। इसलिए आज जरूरत की खबर में जानेंगे कि- ओवर-फर्मेंटेशन क्या है और ये क्यों खतरनाक

है? गर्मियों में फर्मेंटेशन तेजी से क्यों होता है? फूड फर्मेंट करते समय किन बातों का ध्यान रखें? विषय को और समझेंगे डॉ. गौरव जैन, सीनियर कंसल्टेंट, इंटरनल मेडिसिन, धर्मशिला नारायणा सुपरस्पेशिलिटी हॉस्पिटल, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- फर्मेंटेड फूड क्या होता है? जवाब- फर्मेंटेड फूड वो है, जिसे खमीरीकरण की प्रक्रिया (फर्मेंटेशन) से तैयार किया जाता है। पॉइंटर्स से समझते हैं- इस प्रोसेस में बैक्टीरिया, यीस्ट या अन्य माइक्रोऑर्गेनिज्म स्टार्च और शुगर को एसिड या अल्कोहल में बदल देते हैं। इससे खाने का स्वाद, टेक्सचर और न्यूट्रिशन बदल जाता है। इन फूड आइटम्स में प्रोबायोटिक्स जैसे गुड बैक्टीरिया बढ़ते हैं। दही, इडली-डोसा का बैटर, अचार इसके कॉमन उदाहरण हैं। सवाल- फर्मेंटेशन की प्रक्रिया कैसे काम करती है? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझते हैं- 1. कच्चा फूड बेस, दूध, आटा, सब्जियां या चावल। इनमें नेचुरल शुगर (कार्ब) होती है। 2. माइक्रोऑर्गेनिज्म (बैक्टीरिया/

यीस्ट) बैक्टीरिया/यीस्ट प्राकृतिक रूप से फूड में मौजूद होते हैं। कई बार उन्हें बाहर से मिलाया जाता है। जैसे हम जामन से दही जमाते हैं या ब्रेड के आटे में यीस्ट मिलाते हैं। 3. शुगर का टूटना बैक्टीरिया/यीस्ट शुगर को 'खाकर' उसे तोड़ते हैं। इस प्रक्रिया को केमिकल ब्रेकडाउन कहते हैं। 4. नए पदार्थ बनना शुगर टूटकर लैक्टिक एसिड, गैस या अल्कोहल में बदलती है। जैसे- दही से लैक्टिक एसिड या ब्रेड/डोसा बैटर से गैस (सीओ2)। 5. स्वाद और टेक्सचर खाना थोड़ा खट्टा, फूला हुआ और सॉफ्ट हो जाता है। यही फर्मेंटेशन का असर है। 6. प्रिजर्वेशन -बना हुआ एसिड खराब बैक्टीरिया को बढ़ने से रोकता है। इसलिए कुछ समय तक खाना सुरक्षित रहता है। सवाल- गर्मियों में फर्मेंटेशन तेजी से क्यों होता है? जवाब- इसकी वजह हाई टेम्परेचर और माइक्रोऑर्गेनिज्म की एक्टिवनेस है। गर्मी में बैक्टीरिया और यीस्ट तेजी से बढ़ते हैं। जैसेकि- फर्मेंटेशन में शामिल एंजाइम हाई टेम्परेचर में ज्यादा तेजी से रिएक्शन करते हैं। खाने में मौजूद कार्बोहाइड्रेट जल्दी एसिड या गैस में बदल जाते हैं। गर्मियों में ह्यूमिडिटी भी ज्यादा होती है।

यह माइक्रोऑर्गेनिज्म की ग्रोथ को और बढ़ाते है। सवाल- ओवर-फर्मेंटेशन क्या है और ये क्यों खतरनाक है? जवाब- जब किसी फूड को जरूरत से ज्यादा समय तक फर्मेंट होने दिया जाता है, तो उसे ओवर-फर्मेंटेशन कहते हैं। ये कई तरह से खतरनाक होता है। जैसे- खाना जरूरत से ज्यादा खट्टा हो जाता है। ज्यादा समय तक रखने पर बैड बैक्टीरिया पनप सकते हैं। ओवर-फर्मेंटेड फूड में हिस्टामिन ज्यादा बन सकता है। इससे सिरदर्द, स्किन रैश, एलर्जी जैसे रिएक्शन हो सकते हैं। इसके कारण पेट पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। सवाल- गर्मियों में फर्मेंटेड फूड के खराब होने का रिस्क ज्यादा क्यों होता है? जवाब- गर्मियों में तापमान, नमी और माइक्रोऑर्गेनिज्म की तेज एक्टिविटी मिलकर फर्मेंटेड फूड को जल्दी खराब कर देते हैं। इससे- फर्मेंटेशन जरूरत से ज्यादा तेज होकर ओवर-फर्मेंटेशन में बदल जाता है। गर्म माहौल 'गुड' के साथ 'बैड' बैक्टीरिया के लिए भी आदर्श होता है। ज्यादा फर्मेंटेशन से एसिडिटी और गैस प्रोडक्शन बढ़ जाता है। इससे स्वाद बहुत खट्टा, बदबूदार हो जाता है। टेक्सचर भी खराब हो जाता है। सवाल- गर्मियों में ओवर फर्मेंटेड फूड खाने से क्या हेल्थ प्रॉब्लम्स हो सकती हैं? जवाब- गर्मियों में फर्मेंटेशन तेज हो जाता है, जिससे फूड जल्दी ओवर-फर्मेंट हो सकता है। यह कंडीशन फर्मेंटेशन के फायदे को नुकसान में बदल देती है और कई हेल्थ प्रॉब्लम्स की वजह बन सकती है। सवाल- किन लोगों को फर्मेंटेड फूड खाते समय सावधान रहना चाहिए? जवाब- फर्मेंटेड फूड हर किसी के लिए सेफ नहीं होता। कुछ लोगों में इसका रिएक्शन जल्दी होता है। इसलिए उन्हें इसे खाते समय खास सावधानी बरतनी चाहिए। सवाल- क्या गर्मियों में फर्मेंटेड फूड बिल्कुल नहीं खाना चाहिए? जवाब- नहीं, पूरी तरह बंद करने की जरूरत नहीं है। लेकिन सावधानी बहुत जरूरी है। अगर फर्मेंटेड फूड सही तरीके से तैयार व स्टोर किए जाएं तो गर्मियों में भी खाए जा सकते हैं।सवाल- कैसे जानें कि फर्मेंटेड फूड खराब हो गया है? जवाब- फर्मेंटेड फूड में हल्का खट्टापन और खास स्मेल सामान्य है। यह फर्मेंटेशन का हिस्सा है। लेकिन जब यही बदलाव 'असामान्य' हो जाए, तो समझिए फूड खराब हो चुका है। जैसे- सामान्य खट्टेपन की जगह तीखी, सड़ी या केमिकल जैसी स्मेल आए।ऊपर सफेद, हरे या काले धब्बे नजर आएं। बहुत ज्यादा चिपचिपा, स्लाइमी या पतला हो जाए। दही/बैटर में पानी अलग हो जाए। प्लास्टिक कंटेनर फूल जाए या खोलते समय बहुत तेज गैस निकले। यह ओवर-फर्मेंटेशन या खराब होने का संकेत हो सकता है। ऐसे फूड को टेस्ट करने की कोशिश भी न करें। सवाल- गर्मियों में कौन से फर्मेंटेड फूड खाना सेफ है? जवाब- गर्मियों में कुछ फर्मेंटेड फूड सेफ होते हैं। जैसे-दही, छाछ,इडली-डोसा बैटर (ताजा),अचार, जो कम समय में बने और जल्दी खत्म कर लिए जाएं। सवाल- गर्मियों में कौन से फर्मेंटेड फूड नहीं खाना चाहिए? जवाब- गर्मियों में ऐसे फर्मेंटेड फूड से बचना चाहिए, जो ज्यादा समय तक रखे गए हों, बहुत ज्यादा खट्टे हो गए हों या जिनमें कंटैमिनेशन का रिस्क ज्यादा हो। जैसे- बहुत पुराने अचार ओवर-फर्मेंटेड इडली/डोसा बैटर,लंबे समय तक बाहर रखा दही या छाछ, फंगस/मोल्ड लगे फूड।

अच्छे पैरेन्ट्स बच्चों की जरूरतें पूरी करते हैं, चाहत नहीं!

7 साल की समायरा मुम्बई के चेम्बूर में एक बड़े रिटेल स्टोर की शेल्फ के बीच में खड़ी थी। उसने अपनी मां अमृता से पूछा, 'मम्मी मुझे ये मिठाई चाहिए'। अमृता ने इधर-उधर देखा और पाया कि वहां समायरा के कद का एक और बच्चा पहले से मिठाई खा रहा था और इसीलिए उसकी बच्ची ने भी उसी मिठाई की मांग की। वह जानती थी कि इस उम्र में यह स्वाभाविक है कि बच्चों को वो सब चाहिए, जो साथियों के पास है।अमृता ने ग्रोसरी शेल्फ की ओर देखना बंद किया, हालांकि उसे पता था कि वह लेट हो रही थी और उसे सिर्फ दो और चीजें ही लेनी थी और घर जाना था क्योंकि मेहमान लंच पर आने वाले थे। लेकिन अपनी बेटी की मांग पर सख्ती से 'ना' कहने या उसकी मांग के आगे झुक जाने के बजाय उसने अपने काम को रोकने और बेटी से बात करने का फैसला किया।वह थोड़ा झुकी और समायरा की आंखों में आंखे डालकर बोली 'बताओ बच्चा' (सख्त स्वर में), ईमानदारी से बताओ (करुण स्वर में) तुम्हें इस मिठाई की जरूरत है (सामान्य स्वर में) या...तुम बस इसे लेना चाहती हो? (जिज्ञासु स्वर में, जैसे मां को जवाब पता नहीं)।' समायरा शर्माती सी उसके कंधे पर टिक गई, और धीमे स्वर में दूसरे बच्चे की ओर अंगुली करते हुए बोली 'उसके पास ऐसी मिठाई हैं'।अब इस मोलभाव में मां का पक्ष मजबूत था। अमृता ने कहा, 'कोई बात नहीं, तुम्हें खाने के लिए मिठाई चाहिए। हमारे फ्रिज में रखीं हैं। हम घर जा रहे हैं, यदि तब भी

तुम्हें लगे कि ये खानी है, तुम हमेशा ले सकती हो। पर सिर्फ इसलिए कि किसी दूसरे के पास यह है, इसका मतलब यह नहीं कि हमारे पास भी वही होनी चाहिए।'स्टोर में कोई नहीं जानता कि समायरा इन गहरे शब्दों को समझ पाई या नहीं, लेकिन दूसरे बच्चे की मां अमृता के पास आई और उसकी तारीफ की। अमृता ने जल्दी से वो चीजें ली, जो वो चाहती थी और समायरा भी एक मेमने की तरह मां के पीछे खुशी-खुशी, नाचती हुई चलती दिख रही थी।समायरा के पिता समीर और मां अमृता से ही उसे अपना नाम मिला। दोनों ही बैंकर हैं और ऊंचे पद पर हैं और मुम्बई की सबसे पॉश कॉलोनी में रहते हैं, इसलिए उनके लिए अफॉर्डबिलिटी कभी कोई मसला नहीं रहा। फिर भी समायरा को वह सब कुछ नहीं मिलता, जो वह चाहती है।यही उनकी परवरिश की खूबसूरती है। दूसरी कक्षा में पढ़ने वाली समायरा के दादा-दादी ने इस रविवार को मुझे और मेरी पत्नी को दोपहर के भोजन के लिए आमंत्रित किया। इसी कारण मैं इस वाकिये के बारे में जान पाया।अमृता ने कहा,'माता-पिता बच्चों के सुखद बचपन के निर्माण के लिए नियमित प्रयास करते हैं। यह बहुत महत्वपूर्ण है कि बढ़ते बच्चों की जरूरतों का ध्यान रखा जाए और वो सबकुछ दिया जाए, जिसकी उन्हें जरूरत है। लेकिन ठीक उसी समय, इच्छाओं व सनक के बीच महीन रेखा होती है, और पैरेन्ट्स को चाहिए कि वे अपने बच्चों को इस अंतर के बारे में समझाने की जिम्मेदारी लें।जब उन्हें सब मिल जाता है तो एक समय पर वह बहुत सी चीजों के प्रति लालची हो जाते हैं। यह जरूरी है कि वे बड़े होने पर आवश्यकता और चाहत के बीच के अंतर को समझे। यह सब बताते हुए अमृता ने ये भी कहा कि मैं खुद को कभी नहीं रोकती, मैं बेटी की जरूरतें पूरी करती हूं, उसके बचपन में चमक बिखेरने वाले गिफ्ट देती हूं और उसे उनका आनंद लेने देती हूं।लेकिन सिर्फ माता-पिता ही यह जानते हैं कि कब बच्चा थोड़ा जिद्दी हो रहा है और यही वह समय होता है जब बच्चों को यह सीख देनी होती है कि 'अपनी जरूरतों को जानो'। समायरा के पैरेंट्स से बातचीत में मुझे एहसास हुआ कि वे मेरी पीढ़ी की तुलना में अधिक बेहतर माता-पिता है। उसी समय मैंने निर्णय किया कि अगली 'गुड पैरेंटिंग' सेमिनार में उन्हें बुलाया जाना चाहिए।फंडा यह है कि जरूरतों को प्राथमिकता के स्तर पर तय करने से किसी बच्चे को यह समझने में सहायता मिलती है कि उसे किस चीज की जरूरत है और कौन-सी चीज सिर्फ उसकी चाहत है। इससे उनमें एहसानमंद होने और संतोष की भावना विकसित होती है। इससे बच्चा जिम्मेदारी, मुसीबतों से पार पाने की क्षमता और कठिन परिश्रम के महत्व जैसे जीवन के मूल्यवान सबक भी सीखता है।

ग्रोथ एक आंकड़ा नहीं माइंडसेट है, जो मूंगफली की दुकान से भी आ सकती है

लक्ष्मी रोज पति के ऑफिस और बच्चों के स्कूल जाने के बाद 3 घंटे की वॉलंटियरिंग के लिए

घर से निकल जाती हैं। उन्होंने यूनिवर्सिटी की पढ़ाई तो की, पर काम का कोई अनुभव नहीं है। वे नियमित रूप से एक स्थानीय निजी अस्पताल की चैरिटी विंग में लगन से उन मरीजों की मदद करतीं, जो इलाज का खर्च नहीं उठा सकते थे। जरूरतमंद लोगों को कम खर्च या कई बार मुफ्त में इलाज दिलाकर उन्हें संतोष मिलता। धीरे-धीरे उनका चैरिटी का काम बढ़ा तो इलाके में उनकी पहचान बनने लगी। वे स्टाफ रखने लगीं, फंडिंग के लिए मल्टीनेशनल कंपनियों से जुड़ीं, कॉरपोरेट डोनर्स से मिलने यात्राएं करने लगीं। साथ ही अपने मूल स्थान पर चल रहा काम भी संभालती थीं। आप जानते हैं? कि वे चुपचाप क्या बना रही थीं? यह था- अपना सीवी। वे लीडरशिप, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट और स्ट्रैटेजिक टीम बिल्डिंग जैसे पेशेवर स्तर के काम कर रही थीं। यह वास्तविक अनुभव कई महंगे कॉरपोरेट ट्रेनिंग प्रोग्राम्स से ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। करीब 50 हजार लोगों पर हुए ऑक्सफर्ड यूनिवर्सिटी के अध्ययन में सामने आया कि वॉलंटियरिंग एकमात्र वर्कप्लेस इंटरवेंशन है, जो व्यक्ति की वेलबीइंग को बेहतर बनाता है और यह कर्मचारियों की पारंपरिक ट्रेनिंग या अन्य सहायता कार्यक्रमों से काफी आगे है। लक्ष्मी के लिए भी ये सच साबित हुआ। काम शुरू करने के 5 साल बाद उनके जीवन में कठिनाई आई। पति की नौकरी चली गई। पर लक्ष्मी ने आत्मविश्वास नहीं खोया। उन्होंने पति का हौसला बनाए रखा, दोस्तों-पड़ोसियों के सामने भी माहौल सहज रखा। वॉलंटियरिंग ने जल्द ही बेहद व्यावहारिक तरीके से घरेलू स्थिति संभाल ली। कैसे?अब तक उन्होंने मजबूत व विविध नेटवर्क बनाया था। वे प्रभावशाली लोगों को कॉल कर सकती थीं, सीधे उनके ऑफिस जा सकती थीं। लक्ष्मी की निस्वार्थ सेवा-पेशेवर रवैए के कारण वे लोग उनका सम्मान करते। इन चर्चाओं में उन्होंने परिवार की आपात स्थिति बताई और सहायता भी तत्काल मिली। न सिर्फ उनके पति को नई नौकरी मिली, बल्कि उन्हें भी उसी चैरिटी में वेतन वाली स्थायी नौकरी ऑफर हुई। आज भी ऑफिस की नौकरी के अलावा वे तीन घंटे अतिरिक्त वॉलंटियरिंग करती हैं। वॉलंटियरिंग दूसरों की मदद का तो बेहतर तरीका है ही, आज के जॉब मार्केट में ये खुद की मदद का भी सबसे अच्छा जरिया बन गया है। रिक्रूटर्स शैक्षणिक उपलब्धियों से ज्यादा प्रामाणिक कौशल को प्राथमिकता देते हैं, इसलिए वॉलंटियरिंग प्रोफाइल मजबूत बनाती है। बहुत-से रिक्रूटर्स मानते हैं कि वॉलंटियरिंग में अनुभवी कैंडिडेट्स ज्यादा खुश रहते हैं, इंटरव्यू को अधिक सहजता से हैंडल करते हैं। उनके अनुभव अधिक प्रामाणिक होते हैं। यूके जैसे देशों में कंपनियां वॉलंटियरिंग को बढ़ावा देती हैं, क्योंकि वे जानती हैं कि इसका कर्मचारियों के प्रदर्शन व कार्यस्थल की संतुष्टि पर सकारात्मक असर होता है।मुझसे मार्गदर्शन लेने वाले विद्यार्थियों को मैं हमेशा सलाह देता हूं कि काम यदि अत्यधिक तकनीकी भरा न हो तो सामान्य इंटर्नशिप के बजाय वॉलंटियरिंग करें। इससे नेटवर्क बनता है, अनौपचारिक माहौल में लाभार्थियों व कॉरपोरेट लीडर्स से सीधे बात का मौका मिलता है। ये उन्हें प्रोफेशनल टर्मिनोलॉजी-व्यवहारिक कामकाज सिखाती है, जिससे उनके पास इंटरव्यू में बात करने के लिए ठोस विषय होते हैं। 2005 की मुंबई बाढ़ में मदद करने वाले मेरे विद्यार्थियों को उनके साथियों से पहले नौकरी मिली। वजह सिर्फ चैरिटी नहीं थी, बल्कि उन्होंने साबित किया था कि वे परिपक्वता से आपदाओं को संभाल सकते हैं। हर सक्षम व्यक्ति, खासकर कॉलेज छात्रों को वॉलंटियरिंग जरूर करनी चाहिए। इससे आत्मसंतुष्टि मिलती है और संकट के वक्त में वे पेशेवर की तरह सहायता करना सीखते हैं। फंडा यह है कि वॉलंटियरिंग के जरिए आप स्वयं का ही सबसे मजबूत रूप तैयार करते हैं। सुनिश्चित करते हैं कि आप भविष्य की हर चुनौती के लिए तैयार हैं। ...और तब देना ही पाना भी बन जाता है। एन. रघुरामन

देश में गरीबी घट रही है और इस पर दुनिया की नजर है

क्या भारत में गरीबी दर घट रही है? और अगर ऐसा है, तो

सरकार अभी भी 80 करोड़ से ज्यादा भारतीयों को मुफ्त अनाज क्यों दे रही है? पहले सवाल का जवाब है- हां, भारत में गरीबी दर वाकई घट रही है, और पहले से कहीं ज्यादा तेजी से। आरबीआई के पूर्व गवर्नर सी. रंगराजन की अध्यक्षता वाली समिति की नई रिपोर्ट के अनुसार गरीबी दर 2011-12 में 29.5फीसदी थी, जो 2023-24 में घटकर 4.9फीसदी हो गई है। यह एक असाधारण गिरावट है। रंगराजन कहते हैं गिरावट की दर पिछले 12 साल की अवधि में 2.02फीसदी प्रति वर्ष रही है।तब सवाल उठता है कि अगर पिछले 12 सालों में गरीबी में इतनी नाटकीय गिरावट आई है, तो सरकार प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 806.7 मिलियन भारतीयों को मुफ्त अनाज क्यों दे रही है? इसका जवाब आंशिक रूप से राजनीतिक और आंशिक रूप से वैज्ञानिक है। मुफ्त खाद्यान्न योजना को गरीबों के वोटों के लिए शुरू किया गया था, लेकिन यह पोषण संबंधी सप्लीमेंट के लिए भी थी।सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट (सीएसई) एक प्रसिद्ध पत्रिका डाउन टु अर्थ प्रकाशित करता है। इसने एक रिपोर्ट का हवाला दिया कि भारत में हर साल 17 लाख से ज्यादा लोगों की कुपोषण से मृत्यु हो जाती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 71फीसदी भारतीय पौष्टिक भोजन नहीं खरीद सकते।हालांकि गरीबी दर गिरकर 4.9फीसदी हो गई है, लेकिन पोषण एक गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। गरीब भारतीयों का एक बड़ा हिस्सा पौष्टिक आहार नहीं खरीद सकता। इसलिए मुफ्त खाद्यान्न सहायता दी जाती है। बचे हुए पैसों को ज्यादा पौष्टिक भोजन पर लगाया जा सकता है।जैसा कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अमेरिकी सेनेटर एलिसा स्लोटकिन से कहा- सेनेटर, आपने कहा कि लोकतंत्र आपकी मेज पर भोजन नहीं लाता। वास्तव में, दुनिया के जिस हिस्से में मैं रहता हूं, वहां ऐसा होता है। आज चूंकि हम एक लोकतांत्रिक समाज हैं, इसलिए हम 800 मिलियन से ज्यादा लोगों को पोषण-सहायता और भोजन देते हैं।विश्व बैंक ने भी भारतीय गरीबी में गिरावट की पुष्टि की है। इंडियन एक्सप्रेस में लिखते हुए सी. रंगराजन और एस. महेंद्र देव (प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष) ने बताया कि विश्व बैंक ने हाल ही में 100 से अधिक विकासशील देशों के लिए गरीबी और समानता संबंधी संक्षिप्त रिपोर्ट जारी की है।इसमें कहा गया है कि भारत ने पिछले दशक में गरीबी में उल्लेखनीय कमी की है। अत्यधिक गरीबी (क्रय शक्ति समता के संदर्भ में प्रतिदिन 2.15 डॉलर से कम पर जीवन यापन करना) 2011-12 में 16.2फीसदी से घटकर 2022-23 में 2.3फीसदी हो गई। इस अवधि में 17 करोड़ से अधिक लोग अत्यधिक गरीबी की स्थिति से ऊपर उठ गए।निम्न-मध्यम आय वाले देशों के लिए गरीबी रेखा के मानदंड से नीचे के लोगों की संख्या (प्रतिदिन 3.65 डॉलर) 61.8फीसदी से घटकर 28.1फीसदी हो गई। यदि गरीबी को परिभाषित करने के लिए घरेलू आय का कट-ऑफ स्तर बढ़ा दिया जाए, तो गरीबी दर तेजी से बढ़कर 28.1फीसदी हो जाती है। यह लगभग 50 करोड़ भारतीयों का जनसांख्यिकीय समूह है, जिसे पोषण संबंधी सहायता की आवश्यकता है।प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत अतिरिक्त 30 करोड़ और लोगों को शामिल किया गया है, ताकि स्पष्ट चुनावी लाभ के साथ व्यापक जनसांख्यिकीय समूह तक भी पहुंचा जा सके। भारत में गरीबी के निरंतर प्रसार के बावजूद गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों की संख्या में कमी देखी जा सकती है।1947 में स्वतंत्रता के बाद से भारत में अकाल नहीं पड़ा है। जबकि ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के 190 वर्षों के दौरान 31 बड़े अकाल पड़े थे, जिनमें से आखिरी 1943 का बंगाल अकाल था। उसमें 30 लाख लोग मारे गए थे।रंगराजन गरीबी दर में गिरावट को जीडीपी में वृद्धि से सही ढंग से जोड़ते हैं। वे लिखते हैं कि गरीबी का निर्धारण जीडीपी वृद्धि, कीमतों और सेफ्टी नेट जैसे फैक्टर्स से होता है। जीडीपी वृद्धि 2022-23 में 7.6इ से बढ़कर 2023-24 में 9.2फीसदी हो गई, यानी एक वर्ष में 1.6फीसदी की वृद्धि।उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) 2022-23 में 6.7फीसदी से घटकर 2023-24 में 5.4फीसदी हो गया यानी 1.3फीसदी अंकों की गिरावट। हालांकि इसी अवधि के दौरान खाद्य मुद्रास्फीति 6.6फीसदी से बढ़कर 7.5फीसदी हो गई है। ऐसे में लगता नहीं कि अगले चरण में कल्याणकारी कार्यक्रमों में कोई महत्वपूर्ण बदलाव होगा।भारत की कम प्रति व्यक्ति आय (2,900 डॉलर) की ओर इशारा किया जाता है। पर इसकी सही माप क्रय शक्ति समता पर आधारित है। मुंबई में 500 रु. में हवाई अड्डे से शहर तक पहुंचा जा सकता है, टोक्यो में 5,000 रु. लगते हैं। (ये लेखक के अपने विचार हैं।)

बड़ा दिल रखने के लिए पैसा नहीं, मंशा चाहिए!

'इंडिया का आखिरी होटल है। आइए, थोड़ा चाय-समोसा लीजिए, कोल्ड ड्रिंक पीजिए। अभी कार्यक्रम शुरू होने में काफी समय है।' मैं इस जगह पर कई बार आया हूं, लेकिन ये शब्द कभी नहीं सुने।

इसलिए मैं इस आवाज को लगाने वाले बख्शीश सिंह से मिलने के लिए कार से उतरा, जो अपने बड़े भाई के नाम से 'बलजीत फूड कॉर्नर' नामक ढाबा चलाते हैं।मैंने चारों ओर निगाह डाली। वह झूठ नहीं बोल रहे थे। वास्तव में उनका ढाबा भारत और पाकिस्तान की सीमा को बांटने वाली जीरो माइल पर बने लोहे के विशाल गेट से पहले आखिरी था, इस गेट की सुरक्षा हमारी सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) करती है। चाय की चुस्की लेते हुए लोग, दोनों देशों को विभाजित करने वाले लोहे के दो मजबूत दरवाजों से पहले बने कड़ी सुरक्षा वाले कॉन्क्रीट के गेट देख सकते हैं।इस शनिवार की शाम को मैं 'सीमित हो गई' बीटिंग रिट्रीट समारोह को देखने के लिए वाघा-अटारी सीमा पर था। पहलगाम हमले के बाद सुरक्षा कारणों से 12 दिन निलंबित रहा ये समारोह 20 मई 2025 को फिर से बहाल हुआ था।मैं इस प्रतिष्ठित समारोह को देखना चाहता था, हालांकि इसमें अब लोहे के दरवाजे बंद ही रहते हैं और बीएसएफ तथा पाकिस्तानी रेंजरों के बीच पारंपरिक तौर पर होने वाली हाथ मिलाने की प्रक्रिया भी बंद कर दी गई है।सीमा से 300 फीट दूर खड़े होकर बख्शीश द्वारा परोसी गई चाय का स्वाद लेते हुए मैं ग्राहकों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता देख रहा था। वह दिन में महज 2 से 3 घंटे ही व्यापार करते हैं, जब भीड़ बीटिंग रिट्रीट में देशभक्ति भरे नजारे को देखने आती है और सूर्यास्त के साथ झंडा उतरते ही वापस लौट जाती है।वह जानते हैं यहां उन्हीं ग्राहकों के दोबारा आने की संभावना बहुत कम है। पर फिर भी अपनी सफेद दाढ़ी के पीछे चमकते दांतों वाली चौड़ी मुस्कान व सत्कार के साथ ग्राहकों को प्रभावित करने का कोई मौका वह नहीं चूकते। हालांकि उनकी यह अस्थाई दुकान, खाने की जरूरी चीजें बेचने वाली आखिरी ईटरी है, फिर भी मैंने उन्हें कोई भी सामान महंगे दामों पर बेचते हुए नहीं देखा।ये देखकर भरोसा कितना बढ़ जाता है, जब बख्शीश का परिवार हर गिलास को चमकाने में गर्व का अनुभव करता है! चूंकि उनके ढाबे में डिस्पोजेबल गिलास का उपयोग नहीं होता, इसलिए उनका परिवार चाय के हर गिलास को बड़े धैर्य से साफ कर रहा था। यहां तक कि वह खुद पर्यटकों से कह रहे थे कि वे उनसे खरीदी पानी की खाली बोतलें यहां-वहां फेंककर गंदगी न रें।बीएसएफ के जवान भी लोगों से गंदगी नहीं फैलाने का आग्रह कर रहे थे। यकीन मानिए बख्शीश सिंह ज्यादा कमाई नहीं कर रहे थे। उनके और उनके घरवालों के कपड़े इस बात का सुबूत थे कि वे बस गुजारा चला रहे थे, लेकिन देश के प्रति उनका प्यार और देशवासियों के प्रति भाईचारा एक अलग ही स्तर पर था।उनके व्यापारिक कौशल में दया की एक मोटी पर्त थी, जो आम तौर पर स्वर्ण मंदिर कहे जाने वाले श्रीहरमिन्दर साहिब के 'लंगर' में दिखती है। जबकि गृहस्थी के गुजारे के लिए लाभ कमाने की मंशा बहुत कम दिख रही थी। ग्राहकों के पास भले ही बिल चुकाते वक्त पांच रुपए के छुट्टे नहीं हों, तब भी वह उसी मुस्कान के साथ उनको बाय बोल रहे थे।यह देखकर मुझे देश के बड़े हवाई अड्डों पर स्थित 'वांगो' जैसे चमक-धमक वाले रेस्तरां याद आ गए, जिनके डिस्प्ले बोर्ड पर लिखा होता है कि वे गर्म कॉफी पीतल के गिलास में परोसते हैं, जबकि वास्तव में वे इसे प्लास्टिक के गिलास में देते हैं। जिससे फिल्टर कॉफी नुकसानदेह हो जाती है।ग्राहकों के पास जब छुट्टे नहीं हों तो काउंटर पर बैठे कर्मचारी एक रुपया भी नहीं छोड़ते, जबकि वह जानते हैं कि उन्होंने कॉफी के लिए बेहद अजीब-सा 231 रुपए का दाम रखा है। मैंने कई बार ऐसे बुजुर्गों को वहां से नाराज होकर जाते देखा है, जो ऑनलाइन भुगतान के अभ्यस्त नहीं होते। उन बुजुर्गों के पास एक रुपया छुट्टा नहीं होता था और वह 240 रुपए देकर 9 रुपए की टिप भी नहीं देना चाहते थे।फंडा यह है कि बड़ा दिल रखने के लिए बड़े बटुए की जरूरत नहीं। इसके लिए महज एक छोटा-सा इरादा ही काफी है।

हम हमेशा नई चीजें नहीं खोजते, जाने-पहचाने में भी सुकून है...

कैसी है पिक्चर?- मैंने पूछा। 'इट्स अ वन टाइम वॉच'- मुझे जवाब मिला। छोड़ो पैसे बचे, टाइम बचा, मैंने अपने आपसे कहा। बात आई-गई हो गई। कई फिल्में आती हैं और जाती हैं और इसी तरह के वाक्य सुनने को मिलते है। हालांकि मैं उस नस्ल की पैदाइश हूं, जब 'शोले' 20 बार और 'दीवार' 30 बार देखी जाती। आप कहेंगे ऐसी फिल्में बनती कहां हैं आजकल, और आपका कहना बिलकुल जायज है।

पर क्या ये सिर्फ अच्छी और खराब फिल्मों की बात है, या फिर फिल्मों से ही हमारा रिश्ता बदल गया है? ये भी पूछा जा सकता है कि हमारा समय से रिश्ता बदल गया है और फिल्मों को 10-20 बार न देखना उस बदलते रिश्ते का एक उदहारण है। मेरी जिंदगी सिर्फ फिल्में देख-देख कर नहीं, सिर्फ गाने सुनकर और गुनगुनाकर नहीं, पर फिल्मों द्वारा जिंदगी को देखने से बनी है।

टीएस एलियट कहते हैं- 'आई हैव मेज़र्ड-आउट माय लाइफ विद कॉफी स्पून्स।' यानी मैंने अपने जीवन को कॉफी की चम्मचों से नापा है। पर मैं यही बात अमिताभ बच्चन की फिल्मों के लिए कहूंगी। सत्तर और अस्सी के दशक के अमिताभ। उसके बाद फिर मेरी फिल्मों से दूरी हो गई! कोई पूछता है जब यह या वह वाकया हुआ, तब तुम कितने साल की थीं? मैं सोचने लगती हूं, जब 'दीवार' देखी थी तो शायद मैं इतने साल की थी।

कहने का मतलब है ?कि हमारे काल पर फिल्मों की छाप थी और हम फिल्म-काल में रहते थे। इस तीव्र और गहरे रिश्ते के कई फायदे थे, जिनमें से एक यह था कि हम फिजूल में वॉट्सएप्प और सोशल मीडिया पर वक्त बर्बाद नहीं करते थे।

हमारे जेहन में कहानियां, गाने और डायलॉग भरे हुए थे और जिस तरह लोग कबीर या रहीम के दोहे दोहराते हैं, हम फिल्मी बातें दोहराते थे। हमारे लिए वे किसी दोहों से कम नहीं थीं। उन्हीं से हम सीखते कि दुःख सब पर आते हैं, कि कुछ तो लोग कहेंगे, लोगों का काम है कहना वगैरह-वगैरह।जिस समाज में गरीबी, असमानताएं और हिंसा से भरे वाकये हों, उसे फिल्मों द्वारा एक सुकून मिलता। शायद इसलिए हम बार-बार उसकी तरफ जाते। कहानियां हमेशा नई नहीं थी और किस मोड़ पर आकर उनका अंत होगा, वह भी हमें पता रहता था। यह मानने की जरूरत नहीं है कि हम हमेशा नई चीज ढूंढते हैं। अगर ऐसा होता तो लोग बार-बार रामलीला देखने क्यों जाते? जाना-पहचाना देखने में भी एक सुकून होता है।

बहरहाल, बोलचाल की जबान में फिल्म के डायलॉग आ जाते तो उसे झूठ नहीं माना जाता। शायद वह अलंकार ही समझा जाता! मुझे याद है मां गुस्सा होकर पिताजी से कहतीं- 'मैं चुप नहीं रहूंगी। जैसे मीना कुमारी कहती मुझे भी वही कहना है!

' यह सुनकर कोई हंस नहीं देता, परंतु उस गुस्से को ज्यादा दमदार समझता। अब आप सोचिए कि एक बार फिल्म देखने पर इतनी गहरी बात कैसे कही जा सकती है! फिल्मों के शीर्षक, गीतों के बोल, प्यार और रुस्वाई की अभिव्यक्तियां- यानी एक सम्पूर्ण शब्दावली ने हमारी भाषा को बनाया, सजाया और संवारा।

इसी से हमने समझा कि दर्द मीठा भी हो सकता है, कि जब गुस्ताखी करनी हो तो दिल के बहाने हम कर सकते हैं। अपने साहसी प्रयोजनों को 'दिल बेकरार है' कहकर जता सकते हैं।

जरा सोचिए, ऐसे कितने ही गाने हैं जिनमें दिल को माध्यम बना दिया गया है- 'मेरे दिल में आज क्या है, तू कहे तो मैं बता दूं' वगैरह। कभी-कभी आंखें भी काम कर जातीं, क्योंकि जो होठों पर इनकार होता, वह आंखों में इकरार बन जाता। जिस समाज में प्राइवेसी नहीं और घर-परिवार की निगाहें आप पर हों, वहां आप कैसे ठीक से किसी पर निगाह डालेंगे? बात आंखों पर आकर रुक जाती। समझदार के लिए इशारा काफी था। तो चलिए, मैं वहीं लौटती हूं, जहां से शुरुआत की थी। फिल्मों को बार-बार देखना, उन्हें अपनी जिंदगी का हिस्सा बना लेना- यह एक ऐसी नजदीकी को दर्शाता है, एक ऐसा बहाना, जिसकी हमें उस दौर में जरूरत थी, जिसमें हम जी रहे थे। हमारा शरीर, हमारी अपनी पहचान का एहसास, समय को लेकर हमारी सोच- ये सब कुछ बदल गया है।

शायद मेरे लिए इन दो अलग-अलग दौरों की तुलना करना बेकार ही है। गुजरा हुआ जमाना, आता नहीं दोबारा, हाफिज खुदा तुम्हारा... फिल्मों की कहानियां हमेशा नई नहीं थीं और किस मोड़ पर आकर उनका अंत होगा, वह भी हमें पता था। यह मानने की जरूरत नहीं है कि हम हमेशा नई चीज ढूंढते हैं।

अगर ऐसा होता तो लोग बार-बार रामलीला देखने क्यों जाते? (ये लेखिका के अपने विचार हैं रीटा कोठारी)

'दुनिया की छत' पर चीन की हरकतें सबके लिए खतरनाक

तिब्बत के पठार पर विशाल ग्लेशियल-रिजर्व्स हैं, जो दुनिया में ताजे पानी के सबसे बड़े भंडारों में से एक हैं। यह दस प्रमुख एशियाई नदी-प्रणालियों का उद्गम भी है- जिनमें चीन की येलो और यांग्त्से, दक्षिण-पूर्व एशिया की मेकांग, साल्विन और इरावदी और भारत की सिंधु और ब्रह्मपुत्र नदियां शामिल हैं।ये वैश्विक आबादी के लगभग 20इ हिस्से को पानी की आपूर्ति करती हैं। लेकिन आज यही पठार एक आसन्न पर्यावरणीय संकट का साक्षी बन रहा है, जो पूरे एशियाई महाद्वीप की जल सुरक्षा, पारिस्थितिक संतुलन और भू-राजनीतिक स्थिरता को खतरे में डाल सकता है।पिछले दो दशकों से चीन तिब्बती पठार पर केंद्रित एक आक्रामक बांध निर्माण अभियान में लगा हुआ है। चीन की सरकार ने इसके निचले हिस्से के किसी भी देश के साथ जल-साझाकरण संधि पर बातचीत करने से इनकार कर दिया है। इससे इन देशों को चीन की सनक के परिणाम भुगतने होंगे। पठार की सीमा के पास चीन द्वारा निर्मित भीमकाय-बांधों ने पहले ही मेकांग नदी में पानी के स्तर को अभूतपूर्व रूप से कम कर दिया है, जिसका कंबोडिया, लाओस, थाईलैंड और वियतनाम में मत्स्य-पालन और आजीविका पर विनाशकारी प्रभाव पड़ा है।जैसे-जैसे दक्षिणी वियतनाम में मेकांग डेल्टा पीछे हट रहा है, चावल के किसानों को पारंपरिक आजीविका छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। फिर भी चीन की बांध बनाने की महत्वाकांक्षाएं बढ़ती जा रही हैं। यांग्त्से नदी पर बना थ्री गॉर्जेस डैम दुनिया का सबसे बड़ा बांध है।लेकिन वह भी चीन द्वारा तिब्बती पठार के भूकंपीय रूप से सक्रिय क्षेत्र में ब्रह्मपुत्र नदी (उसे वहां यारलुंग जंगबो कहा जाता है) पर बनाए जा रहे बांध के सामने बौना साबित होगा। अगर यह परियोजना पूरी हो जाती है, तो इससे भारत और बांग्लादेश में पानी के प्रवाह में भारी बदलाव आएगा, क्षेत्र की खाद्य सुरक्षा और पारिस्थितिक संतुलन को खतरा होगा और निचले इलाकों के देशों पर चीन का भू-राजनीतिक प्रभाव बढ़ेगा। पानी के हथियारीकरण का खतरा मंडरा रहा है।दरअसल, पानी तेजी से नया तेल बनता जा रहा है- यानी ऐसा रणनीतिक संसाधन, जो संघर्षों को बढ़ावा दे सकता है। देशों के भीतर और उनके बीच पानी के विवाद पहले ही तेज होते जा रहे हैं। चीन की नजर तिब्बत की खनिज-समृद्ध भूमि- जिसमें लीथियम, सोना, तांबा जैसे महत्वपूर्ण संसाधन हैं- पर भी है। वह वहां पर जंगलों की कटाई कर रहा है और विषाक्त उत्सर्जन में योगदान दे रहा है। उसकी ये तमाम गतिविधियां तिब्बती पठार के सैन्यीकरण के लिए कवर प्रदान कर रही हैं।चीन वहां पर जो विनाश-लीला कर रहा है, उसके पूरे ब्योरे जानना असंभव है। यह क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों की नजरों से बहुत दूर है, और स्थानीय तिब्बती समुदायों की आवाजों को दबा दिया जाता है। इस सबसे वहां का पारिस्थितिक तंत्र लगातार कमजोर होता जा रहा है। तिब्बती पठार वैश्विक औसत से दोगुनी गति से गर्म हो रहा है और उसकी बर्फ ध्रुवों की तुलना में तेजी से पिघल रही है। इसके दूरगामी निहितार्थ हैं। तिब्बती पठार एशियाई जलवायु, मौसम और मानसून के पैटर्न को गहराई से प्रभावित करता है। इसका क्षरण सूखे और बाढ़ को बढ़ाएगा, जैव विविधता के नुकसान को बढ़ाएगा, कृषि के पतन में योगदान देगा और एशिया और उसके बाहर बड़े पैमाने पर पलायन को बढ़ावा देगा।इन तमाम जोखिमों के बावजूद वैश्विक जलवायु मंचों से लेकर संयुक्त राष्ट्र और विश्व बैंक जैसी बहुपक्षीय संस्थाओं तक- अंतरराष्ट्रीय समुदाय तिब्बत को लेकर पूरी तरह से चुप है।इसका कारण अज्ञानता नहीं, बल्कि डर है। क्योंकि चीन अपने प्रभाव का इस्तेमाल 'दुनिया की छत' पर अपनी गतिविधियों की सार्थक आलोचना को दबाने के लिए करता है। जबकि दुनिया के देशों को तिब्बती पठार पर चीन की गतिविधियों के बारे में पारदर्शिता के लिए लगातार दबाव डालना चाहिए। विशेष रूप से, चीन को अपने रियल-टाइम हाइड्रोलॉजिकल डेटा को साझा करने के लिए मजबूर किया जाना चाहिए और उसे अपनी परियोजनाओं को अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण मूल्यांकन के लिए प्रस्तुत करना चाहिए।स्वतंत्र पर्यावरण शोधकर्ताओं को महत्वपूर्ण डेटा एकत्र करने और निष्पक्ष विश्लेषण के लिए पठार तक बेरोकटोक पहुंच प्रदान की जानी चाहिए। चीन को तिब्बतियों के अधिकारों के उल्लंघन के लिए भी जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। 2000 से लगभग दस लाख तिब्बतियों को अपनी पैतृक भूमि से जबरन विस्थापित किया गया है।

सोरखा डूब क्षेत्र में नाबालिग के साथ हुई बलात्कार की घटना पर शालिनी सिंह ने लिया संज्ञान

पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता मिलेगी-शालिनी सिंह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सोरखा डूब क्षेत्र में एक नाबालिग बच्ची के साथ हुई रेप

की घटना को लेकर नौएडा सिटीजन फोरम ने गहरा दुःख और चिंता व्यक्त की है। इस संदर्भ में फोरम की कार्यकारी अध्यक्ष शालिनी सिंह के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की और उनका हालचाल जाना। प्रतिनिधिमंडल ने पीड़ित परिवार को आश्वस्त किया कि नौएडा सिटीजन फोरम इस कठिन समय में उनके साथ पूरी मजबूती से खड़ा है। श्रीमती शालिनी सिंह ने परिवार को ढांडस बंधाया व हर संभव कानूनी सहायता उपलब्ध कराने का भरोसा दिया, जिसमें एक अनुभवी महिला वकील की व्यवस्था भी शामिल है, ताकि पीड़ित को न्याय दिलाने की प्रक्रिया संवेदनशील और प्रभावी ढंग से आगे बढ़ सके। फोरम ने यह भी स्पष्ट किया कि पीड़ित की पहचान को पूरी तरह गोपनीय रखा जाएगा और इस दिशा में सभी आवश्यक सावधानियां बरती जाएंगी। नौएडा सिटीजन फोरम ने संबंधित प्रशासन और कानून-व्यवस्था से जुड़े अधिकारियों से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष, त्वरित और सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि दोषी को कड़ी से कड़ी सजा मिल सके और समाज में न्याय का संदेश जाए व पुलिस की ओर से बच्ची की विशेषज्ञ बाल मनोचिकित्सक द्वारा काउंसलिंग की व्यवस्था भी तत्काल प्रभाव से की जाए, यदि अभी तक नहीं कराई गई है तो! इसके साथ ही नौएडा सिटीजन फोरम की कार्यकारी अध्यक्ष शालिनी सिंह ने फोरम की ओर से यह भी मांग रखी कि भविष्य में रेप जैसे जघन्य अपराध की घटनाओं को रोकने के लिए नौएडा पुलिस द्वारा प्रभावशाली नीति बनाई जानी चाहिए व इसका सख्ती से पालन भी कराया जाना चाहिए। रेप जैसे जघन्य अपराधों की घटनाओं में संबंधित क्षेत्र के थानाध्यक्ष की भी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। साथ ही, जिन क्षेत्रों में नाबालिक बच्चियों के साथ बलात्कार जैसे जघन्य अपराध की घटनाएं घटित होती हैं नौएडा पुलिस कमिश्नर सुनिश्चित करें कि उस क्षेत्र के थाना अध्यक्ष को तत्काल हटाया जाए व उन्हें किसी नागरिक क्षेत्र का आगामी 5 वर्षों तक प्रभार ना दिया जाये। फोरम ने समाज के सभी वर्गों से अपील की है कि वे ऐसे संवेदनशील मामलों में जिम्मेदारी और संवेदनशीलता का परिचय दें तथा पीड़ित परिवार के साथ सहयोग करें।

अक्षय तृतीया अभियानः चाइल्ड हेल्पलाइन की तत्परता से बाल विवाह रुका, नाबालिग बालिका संरक्षित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। रविवार को अक्षय तृतीया के अवसर पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत चाइल्ड

हेल्पलाइन, सोनभद्र की टीम ने तत्परता दिखाते हुए एक बाल विवाह रुकवाया और नाबालिग बालिका को संरक्षण में लिया। दिनांक 19.04.2026 को टीम को रॉबर्ट्सगंज स्थित दंडईत बाबा मंदिर पर बाल विवाह होने की सूचना मिली। सूचना पर टीम सदस्य अमन सोनकर, सीमा शर्मा, सत्यम चौरसिया एवं धर्मवीर सिंह तत्काल मौके पर पहुंचे। परियोजना समन्वयक मुकेश कुमार सिंह द्वारा बालिका के आयु संबंधी दस्तावेजों की जांच में वह नाबालिग पाई गई। बालिका ग्राम पगिया, थाना कर्मा तथा बालक ग्राम ऊंची कला, थाना पन्नूगंज का निवासी है। बालिका को संरक्षित करने के प्रयास के दौरान परिजनों एवं उपस्थित लोगों ने विरोध और संघर्ष की स्थिति उत्पन्न हो गई। महिला थाना प्रभारी सविता सरोज ने सूझबूझ से स्थिति को नियंत्रित कर बालिका को सुरक्षित संरक्षण में लिया। चाइल्ड हेल्पलाइन द्वारा बालिका को बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। अपीलः चाइल्ड हेल्पलाइन ने आमजन से अपील की है कि बाल विवाह की सूचना तुरंत चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 पर दें। बाल विवाह दंडनीय अपराध है।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के अवसर पर बस को हरी झंडी दिखाकर किया गया रवाना

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के अवसर पर आयोजित यात्रा के तहत जनपद सोनभद्र से प्रतिभाग करने जा रहे यात्रियों की बस को आज जिलाधिकारी श्री बी.एन. सिंह ने कलेक्ट्रेट परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने यात्रियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह यात्रा न केवल सांस्कृतिक और धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि जनपद की पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत करने का भी एक सशक्त माध्यम है। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद से कुल 10 प्रतिभागी इस सोमनाथ स्वाभिमान यात्रा में सम्मिलित हो रहे हैं। यह यात्रा 19 अप्रैल को लखनऊ पहुंचेगी, जहां आयोजित कार्यक्रम में सभी प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। इसके पश्चात यह दल सोमनाथ, गुजरात के लिए प्रस्थान करेगा और 21 अप्रैल को वहां पहुंचेगा। सोमनाथ में 22 एवं 23 अप्रैल को आयोजित होने वाले मुख्य कार्यक्रमों में जनपद के प्रतिभागी सक्रिय रूप से भाग लेंगे। इस दौरान जिलाधिकारी ने यात्रियों को जनपद सोनभद्र के पर्यटन स्थलों पर आधारित पुस्तिकाएं भी भेंट कीं। उन्होंने निर्देशित किया कि इन पुस्तिकाओं का वितरण सोमनाथ में किया जाए तथा वहां के लोगों को सोनभद्र के प्रमुख पर्यटन स्थलों के बारे में जानकारी दी जाए, जिससे अधिक से अधिक पर्यटक जनपद की ओर आकर्षित हो सकें। इस मौके पर पीडी डीआरडीए एस.के. राय, सहायक पर्यटन अधिकारी राजेश भारती, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह, एडीएम (वित्त/राजस्व) तथा डिस्ट्रिक्ट मैनेजर दिव्यदोष मिश्रा सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

भगवान विष्णु के छठवें अवतार भगवान परशुराम जी का जन्मोत्सव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। भगवान विष्णु के छठवें अवतार भगवान परशुराम का जन्म भृगु वंश में हुआ। पिता का नाम महर्षि जमदग्नि और माता का नाम रेणुका। महर्षि जमदग्नि ने पुत्रेष्टि यज्ञ किया जिससे प्रसन्न होकर देवराज इंद्र ने वरदान दिया। रेणुका के गर्भ से वैशाख शुक्ल तृतीया को भगवान परशुराम का जन्म हुआ वह अपनी माता पिता की पांचवीं संतान थे। जन्म के बाद उनका नामकरण संस्कार किया गया और राम नाम रखा गया। जमदग्नि के पुत्र होने के कारण उन्हें जामदग्नेय तथा भृगु वंश में जन्म लेने के कारण भार्गव नाम से भी जाना गया। माता रेणुका से प्रारंभिक शिक्षा ग्रहण की ततपश्चात महर्षि विश्वामित्र और महर्षि ऋचीक के आश्रम में शिक्षा प्राप्त की। परशुराम जी की योग्यता से प्रभावित होकर महर्षि ऋचीक ने उन्हें सारंग नामक दिव्य धनुष एवं महर्षि कश्यप ने वैष्णवी मन्त्र प्रदान किया। भगवान शिव के परम भक्त थे उन्होंने कैलाश पर कठोर तप कर भगवान भोलेनाथ को प्रसन्न कर लिया। भगवान भोलेनाथ ने परशु दिया जिसके कारण उनका नाम परशुराम पड़ा। भगवान परशुराम का जन्म जरूर ब्राम्हण कुल में हुआ लेकिन उन्होंने क्षत्रियोचित व्यवहार कर वर्ण व्यवस्था की उस धारणा को मिथ्या साबित किया कि मनुष्य का वर्ण जन्म से निर्धारित होता है कर्म से नहीं। जब पृथ्वी पर अनाचारियों का अनाचार बढ़ने लगा और राज सत्ता के मद में चूर राजाओं ने ऋषि ,मुनियों और जनता पर अत्याचार किया तब भगवान परशुराम ने ऐसे अनाचारियों का वध कर शांति की स्थापना की। वह नारी सम्मान के प्रति सदैव सजग रहे उन्होंने ऋषि अत्रि की पत्नी अनुसुइया, अगस्त की पत्नी लोपमुद्रा के साथ नारी जागृति हेतु प्रयास किया। भगवान परशुराम के शिष्य भीष्म ने जब काशीराज की पुत्री अम्बा का अपहरण कर लिया तो अम्बा के आग्रह पर नारी सम्मान की रक्षा हेतु भीष्म से भयंकर युद्ध किया और पुरुषों के लिए एक पत्नी के धर्म का निर्देश दिया। एक बार की बात है कि महिष्मती नगर के हैहयवंशी शासक कीर्तिवीर्यार्जुन ने भगवान दत्तात्रेय की कठोर तपस्या की , तपस्या से भगवान प्रसन्न हुए और उन्होंने वरदान मांगने को कहा। कीर्तिवीर्यार्जुन ने सहस्त्र भुजाएं एवं अपराजित होने का वरदान मांगा। सहस्त्र भुजाओं के कारण उसका नाम सहस्त्रबाहु पड़ा। अपनी शक्ति के अहंकार में सहस्त्रबाहु ऋषि जमदग्नि के

आश्रम पहुंचा और वहां पर कपिला कामधेनु को देखा जिसे देवताओं के राजा इंद्र ने प्रदान किया था। अहंकार के वशीभूत होकर सहस्त्रबाहु ने जबरन कामधेनु का हरण कर लिया। जब भगवान परशुराम को सहस्त्रबाहु के इस कृत्य का पता लगा तब उन्होंने सहस्त्रबाहु की हजार भुजाओं को काटकर उसका वध कर दिया और कामधेनु को सम्मान सहित पिता के आश्रम लाये। पिता की आज्ञा से सहस्त्रबाहु के वध का प्रायश्चित्त करने के लिए भगवान परशुराम तप करने चले गए। मौका पाकर हैहयवंशी राजाओं ने महर्षि जामदग्न्य की आश्रम में हत्या कर दी। माता रेणुका ने विलाप करते हुए परशुराम को पुकारा, उन्होंने आश्रम आकर देखा तो मृत पड़े पिता के शरीर पर इक्कीस घाव थे । उन्होंने उसी समय प्रण किया कि जब तक पृथ्वी को हैहयवंशी राजाओं से मुक्त नहीं कर देता तब तक चैन से नहीं बैठूंगा। उन्होंने हैहयवंशी राजाओं को परास्त कर सम्पूर्ण भूमि को महर्षि कश्यप को दान कर दी। सीता स्वयंबर में जब राजा जनक ने प्रण लिया कि जो भगवान शंकर के धनुष अजगव को तोड़ेगा उसी के साथ सीता का विवाह होगा। तमाम बलशाली राजाओं ने प्रयास किया लेकिन धनुष नहीं तोड़ सके अंत में भगवान राम धनुष को तोड़ते हैं और सीता के साथ उनका विवाह हो जाता है। धनुष टूटने की आवाज सुनकर भगवान परशुराम जनकपुर पहुंचते हैं और राजा जनक पर क्रोधित होते हैं और जो दुष्ट राजा होते हैं उन्हें देखकर छुप जाते हैं। भगवान राम उन्हें प्रणाम करते है , जब परशुराम जी जान जाते हैं कि राम स्वयं विष्णु का अवतार हैं तो उनसे आज्ञा लेकर महेंद्र पर्वत पर तपस्या करने चले जाते हैं। पितामह भीष्म, दानवीर कर्ण, आचार्य द्रोण भगवान परशुराम के शिष्य थे। भगवान परशुराम ने इन्हें शस्त्र विद्या में पारंगत किया था। यज्ञ करना उनकी दैनिक दिनचर्या थी इसके लिए उन्होंने बत्तीस हाथ की सोने की बेदी बनवाई जिसे बाद में महर्षि कश्यप ने ले लिया था। साथ ही महर्षि कश्यप ने परशुराम से पृथ्वी छोड़कर चले जाने को कहा उनकी बात मानकर परशुराम ने समुद्र को पीछे हटाकर महेंद्र पर्वत पर चले गए। ब्रम्हवैवर्त पुराण में कथानक मिलता है कि एक बार भगवान परशुराम भगवान शिव से मिलने कैलाश पर्वत पहुंचे लेकिन गणेश जी ने उन्हें रोक दिया इस बात से परशुराम कुपित हो गए और फरसे का प्रहार कर दिया जिससे उनका एक दांत टूट गया जिसके कारण गणेश जी को एकदन्त भी कहा जाने लगा। स्कंध पुराण के अनुसार परशुराम ने अठ्ठासी हजार स्वयंभू शिवलिंगों की खोज की थी और एक हजार से अधिक शिवालयों की स्थापना की थी। तिरुपति के गुडिमल्लम गांव से तीस किलोमीटर दूर कालहस्ती वायुतत्व शिवलिंग के नजदीक एक स्वयंभू शिव मंदिर जिसे परशुरामेश्वर मंदिर के नाम से जाना जाता है। ऐसा माना जाता है कि भारत के अधिकांश गांव परशुराम के बसाए हुए हैं। मुम्बई से कन्याकुमारी तक के क्षेत्र को आठ भागों में विभाजित कर सूर्याष्टक प्रान्त बनाया था । गऊ धाम (गोवा) भी इन्हीं का बसाया नगर है। भगवान परशुराम में परशु शब्द पराक्रम को इंगित करता है वहीं राम जो सबके लिए कल्याणकारी हैं।शस्त्र और शास्त्र का अद्भुत संगम हैं भगवान परशुराम। हम कह सकते हैं कि जो पराक्रम से सबका कल्याण करता हो । भगवान शिव द्वारा प्रदत्त शस्त्र परशु या परसा जिसकी व्याख्या की जाए तो प से पार्वती र से रमा और स से सरस्वती तीनों शक्तियां परसा में समाहित हों इसका मतलब दुष्टों का संघार करने वाली मां पार्वती, रमा के रूप में माता लक्ष्मी और बुद्धिस्वरूपा मां सरस्वती। जब तीनों शक्तियां शस्त्र में समाहित हों तो कौन सामना कर सकता है। परशु अराजकता का संघारक है तो राम कल्याणकारी है रक्षक है। भगवान परशुराम जी का चरित्र हमें शिक्षा देता है कि शक्ति का उपयोग शांति की स्थापना के लिए होना चाहिये। दुष्ट राजाओं को परास्त कर सारी सम्पदा और जमीन ब्राम्हणों को दान में दे दी। खुद राजसत्ता का उपभोग नहीं किया। भगवान परशुराम का जीवन सत्ताधीशों को त्यागपूर्ण आचरण की शिक्षा देता है वहीं शोषित, पीड़ित जनमानस को भी उसकी शक्ति और सामर्थ्य का अहसास दिलाता है। उन्होंने अहंकारी राजातन्त्र को मिटाकर लोकतंत्र की स्थापना की। अश्वत्थामा, राजा बलि, महर्षि व्यास, हनुमान जी, विभीषण, कृपाचार्य, मार्कण्डेय के साथ भगवान परशुराम को जिरंजीवी कहा जाता है। भगवान परशुराम की जयंती पर हम यही आशीर्वाद मांगते हैं कि वह हमारे मनोविकारों, ईर्ष्या, द्वेष ,अहंकार , काम, क्रोध का समूल नाश कर दें। भगवान परशुराम के चरणों में प्रणाम करता हुआ सभी के कल्याण की कामना करता हूँ।

केन्द्रीय ब्राह्मण महासभा, सोनभद्र ने मनायी परशुराम जयन्ती- संजय मिश्रा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। अक्षय तृतीया का संयोगः यह पावन दिन अक्षय तृतीया के साथ पड़ता है, जो नई शुरुआत और दान-पुण्य के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है। हवन पूजन कर केन्द्रीय ब्राह्मण महासभा, सोनभद्र कार्यालय- बभनौली कालोनी, नियर चण्डी तिराहा, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र पर मनाया गया। इस मोके पर गजेंद्र दीक्षित, संदीप मिश्रा, मोहर देव पाण्डेय, विवेक कुमार पाण्डेय, रवि तिवारी, विमलेश कुमार तिवारी, संगम पाण्डेय, आलोक पति तिवारी, एस.एन. दुबे, राजू दुबे, अजय दुबे, वैभव दीक्षित, चंद्रकांत मिश्रा, रवि पाण्डेय, अमित शुक्ला, विक्की पाठक, शैलेन्द्र मिश्रा, सुनील चौबे, मुनि महेश शुक्ल, शिव प्रकाश पाण्डेय, तारा, पंकज देव पाण्डेय, सोनभद्र बार असोसिएशन सोनभद्र संयुक्त सचिव विवेक कुमार पाण्डेय, आलोक पाण्डेय, प्रफुल्ल तिवारी आदि सेंकड़ों लोग उपस्थित थे।

मैहर में मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह सम्मेलन के तहत ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों मे कुल 200 जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मैहर। जनपद पंचायत

मैहर द्वारा आयोजित सम्मेलन में ग्रामीण क्षेत्र के 150 जोड़े दाम्पत्य सूत्र में बंधे। इस अवसर पर विधायक श्री श्रीकांत चतुर्वेदी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री रामखेलावन कोल, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती गीता संतोष सोनी, जनपद अध्यक्ष श्रीमती आकांक्षा लोधी, जिला पंचायत सदस्य जयंती तिवारी, कलेक्टर श्रीमती बिदिशा मुखर्जी, एसडीएम मैहर श्रीमती दिव्या पटेल एवं सीईओ अशोक तिवारी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान किया तथा शासन की ओर से निर्धारित आर्थिक सहायता राशि भेंट की गई। कार्यक्रम में विभागीय अधिकारी, गणमान्य नागरिक तथा ग्राम पंचायतों के सरपंच-सचिव भी मौजूद रहे। वहीं, नगरपालिका मैहर के तत्वावधान में देवी जी रोड स्थित पर्यटक सूचना केंद्र में आयोजित शहरी क्षेत्र के सम्मेलन में 50 जोड़े विवाह बंधन में बंधे। इस कार्यक्रम में भी विधायक श्री श्रीकांत चतुर्वेदी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री रामखेलावन कोल, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती गीता संतोष सोनी, जिला पंचायत सदस्य जयंती तिवारी, कलेक्टर श्रीमती बिदिशा मुखर्जी, एसडीएम मैहर श्रीमती दिव्या पटेल एवं सीएमओ सहित अन्य अधिकारियों ने शामिल होकर नवदंपतियों को शुभाशीष दिया और शासन की सहायता राशि वितरित की। दोनों आयोजनों में उत्साह और उल्लास का माहौल देखने को मिला, जहां बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी और आमजन की उपस्थिति रही।

अक्षय तृतीया पर बाल विवाह रोकथाम के लिए मैहर कलेक्टर बिदिशा मुखर्जी ने निर्देश जारी किया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मैहर। अक्षय तृतीया (20 अप्रैल 2026) के अवसर पर संभावित बाल विवाहों को रोकने के लिए कलेक्टर मैहर श्रीमती बिदिशा मुखर्जी ने दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। जारी आदेश के अनुसार बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के तहत जिला, तहसील एवं विकासखंड स्तर पर अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की गई है। सभी आंगनवाड़ी केंद्रों को 18 वर्ष से कम आयु की बालिकाओं एवं 21 वर्ष से कम आयु के बालकों की सूची तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि संभावित बाल विवाहों की पहचान की जा सके। जिला एवं विकासखंड स्तर पर कार्यशालाओं का आयोजन कर प्रिंटिंग प्रेस, हलवाई, केटर्स, बैंड, धर्मगुरु, ट्रांसपोर्टर्स एवं जनप्रतिनिधियों को बाल विवाह में सहयोग न करने के लिए जागरूक

किया जाएगा। साथ ही स्कूलों, कॉलेजों और ग्राम पंचायतों में रैली एवं शपथ कार्यक्रम आयोजित होंगे। बाल विवाह की सूचना देने के लिए जिला एवं विकासखंड स्तर पर कंट्रोल रूम बनाए गए हैं। इनमें जिला स्तर के कन्ट्रोल रूम में जिला कार्यक्रम अधिकारी राजेन्द्र बांगरे मो. 9407278779 को प्रभारी बनाया गया है। इसी तरह विकासखण्ड मैहर के लिए बाल विकास परियोजना विद्याचरण तिवारी मो 9977217939 एवं अखिलेश दीपांकर मो. 8770108136, विकासखण्ड अमरपाटन एवं रागनगर के लिए बाल विकास परियोजना अधिकारी नागेन्द्र प्रताप तिवारी मो. 6260514072 को नियुक्त किया गया है। आमजन से अपील की गई है कि किसी भी संदिग्ध बाल विवाह की सूचना तुरंत हेल्पलाइन नंबर 181, 1098, 100 पर दें। बाल विवाह रोकथाम के लिए सोशल मीडिया, व्हाट्सएप ग्रुप, दीवार लेखन एवं स्थानीय मीडिया के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। बाल विवाह की सूचना मिलने पर संबंधित अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर मैहर ने सभी विभागों, जनप्रतिनिधियों एवं आम नागरिकों से अपील की है कि वे इस सामाजिक कुरीति को समाप्त करने में सक्रिय भूमिका निभाएं और बाल विवाह रोकने में प्रशासन का सहयोग करें।

दूसरी बार पेरेंट्स बनेंगे दीपिका-रणवीर:कपल ने बेटी दुआ की फोटो शेयर कर प्रेग्नेंसी की दी जानकारी

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण ने रविवार को अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी अनाउंस की। दीपिका और रणवीर के इंस्टाग्राम हैंडल पर उनकी बेटी दुआ की एक तस्वीर शेयर की गई, जिसमें बेटी ने एक प्रेग्नेंसी टेस्ट किट पकड़ी हुई है, जो पॉजिटिव रिजल्ट दिखा रहा है। तस्वीर में रणवीर बेटी को गोद में लिए हुए हैं, हालांकि उनका चेहरा दिखाई नहीं दे रहा है। वहीं, तस्वीर में दुआ का आधा चेहरा नजर आ रहा है। इस पोस्ट पर कई सेलिब्रिटीज ने रिएक्ट किया। एक्ट्रेस निमरत कौर ने लिखा, 'बधाई हो, आप दोनों खुश रहें।' बता दें कि दीपिका और रणवीर ने 8 सितंबर 2024 को अपनी बेटी दुआ के जन्म की जानकारी दी थी। उस समय उन्होंने लिखा था, 'वेलकम बेबी गर्ल। 8-9-2024। दीपिका और रणवीर।'

इससे पहले फरवरी 2024 में दीपिका ने प्रेग्नेंसी की घोषणा की थी। दीपिका और रणवीर ने कई साल तक रिलेशनशिप में रहने के बाद 2018 में इटली में शादी की थी। कपल के वर्कफ्रंट की बात करें तो रणवीर हाल ही में फिल्म धुरंधर 2 में नजर आए थे, जो ब्लॉकबस्टर साबित हुई। धुरंधर 2 दुनिया भर में तीसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन गई।

फिल्म की दुनिया भर में कमाई 1,748.91 करोड़ रुपए हो गई। इसने 1,742.10 करोड़ रुपए कमाने वाली अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा 2 को पीछे छोड़ दिया। अब यह सिर्फ दंगल (रु2070 करोड़) और बाहुबली 2 (रु1,788.06 करोड़) से पीछे है। वहीं, दीपिका शाहरुख खान के साथ फिल्म किंग में नजर आएंगी।

मुंबई की सड़कों पर भारी सूटकेस उठाते दिखे राहुल रॉय,पहचान नहीं पाए कई लोग,कभी नेशनल क्रेज थे

मुंबई। 90 के दशक के सुपरस्टार राहुल रॉय फिर चर्चा में हैं, लेकिन इस बार वजह फिल्म नहीं बल्कि वायरल वीडियो है। हाल ही में उन्हें मुंबई के वर्सोवा इलाके में सड़क पर भारी सूटकेस उठाकर चलते देखा गया। वीडियो सामने आते ही सोशल मीडिया पर फैंस इमोशनल हो गए और पुराने दिनों को याद करने लगे। वीडियो में राहुल रॉय साधारण कपड़ों में नजर आ रहे हैं और खराब सड़क के बीच खुद भारी सूटकेस उठाकर चलते दिखते हैं। इस दौरान कुछ लोग उनका वीडियो बनाते दिखते हैं। जैसे ही राहुल की नजर कैमरे पर पड़ती है, वह हल्की मुस्कान के साथ आगे बढ़ते रहते हैं। राहुल रॉय का बदला लुक देखकर कई लोग उन्हें पहचान नहीं पाए। लंबे समय बाद पब्लिक में दिखे एक्टर का सादा अंदाज फैंस के लिए हैरान करने वाला रहा। वहीं कुछ लोग उनकी हालत देखकर दुखी नजर आए। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने लिखा कि यह वही स्टार हैं जिन्होंने कभी पूरे देश को दीवाना बनाया था। वहीं कुछ ने सवाल उठाया कि वीडियो बनाने वालों में से किसी ने उनकी मदद क्यों नहीं की। वीडियो बनाने वालों पर फूटा गुस्सा-फैंस का गुस्सा उन लोगों पर दिखा जो सिर्फ वीडियो बनाते रहे लेकिन मदद के लिए आगे नहीं आए। एक यूजर ने लिखा, 'यहां सिर्फ चढ़ते सूरज को सलाम किया जाता है।' वहीं दूसरे ने कहा, 'कम से कम किसी को उनका बैग उठाने में मदद करनी चाहिए थी।' 1990 में आई फिल्म 'आशिकी' ने राहुल रॉय को रातोंरात स्टार बना दिया था। उस दौर में उनका ऐसा क्रेज था कि उन्होंने 11 दिनों में 47 फिल्में साइन कर ली थीं। उनकी फिल्म महीनों तक सिनेमाघरों में हाउसफुल चली और टिकट ब्लैक में बिकते थे। लेकिन समय के साथ उनका करियर ढलान पर आ गया और बड़े प्रोजेक्ट्स मिलना बंद हो गए। बाद में उन्हें बी और सी ग्रेड फिल्मों में काम करना पड़ा। बिग बॉस जीता, फिर भी नहीं बदली किस्मत-राहुल रॉय ने 2007 में 'बिग बॉस' का पहला सीजन जीतकर फिर सुर्खियां बटोरी थीं, लेकिन इसका उनके करियर पर खास असर नहीं पड़ा। इसके बाद भी उन्हें इंडस्ट्री में संघर्ष करना पड़ा। बीमारी ने बदली जिंदगी, सलमान ने की मदद-कुछ साल पहले राहुल रॉय को ब्रेन स्ट्रोक हुआ था, जिससे उनकी हालत खराब हो गई थी। उस मुश्किल समय में सलमान खान ने मदद की और इलाज का खर्च उठाया। इतना ही नहीं, उन्होंने राहुल को अपनी फिल्म में काम दिया था। आज भले ही राहुल रॉय फिल्मों में कम नजर आते हों, लेकिन फैंस के दिलों में उनकी जगह बरकरार है। यही वजह है कि उनका यह साधारण वीडियो भी लोगों को भावुक कर गया और 90 के दशक की यादें ताजा हो गईं।

मम्मा कहने पर भड़कीं श्रुति हासन,पैपरजी से बोलीं- क्या बक रहे हो तुम

मुंबई। एक्ट्रेस और सिंगर श्रुति हासन हाल ही में मुंबई में फोटोग्राफर्स ने उन्हें कवर करना शुरू कर दिया। इसी बीच भीड़ करें तो श्रुति हासन आने वाले समय में कई बड़े प्रोजेक्ट्स का

पैपरजी पर बुरी तरह भड़क गईं। यह वाकया एक रेस्टोरेंट के बाहर हुआ, जहां श्रुति डिनर के लिए पहुंची थीं। शख्स ने उन्हें 'मम्मा' कहकर बुलाया, ये सुनते ही श्रुति का पारा चढ़ गया और उन्होंने तुरंत वहां अपना गुस्सा उतार दिया। श्रुति बोलीं- क्या बक रहे हो तुम घटना के वीडियो में श्रुति हासन जब रेस्टोरेंट से बाहर निकलकर अपनी कार की तरफ बढ़ रही थीं, तभी वहां मौजूद में से किसी ने उन्हें 'मम्मा' कहा। श्रुति इसी बात पर बिफर गईं। वीडियो में श्रुति काफी गुस्से में नजर आ रही हैं। उन्होंने तुरंत पैपरजी की तरफ मुड़कर पूछा, 'कौन है मम्मा? तुम्हारी मम्मा है? क्या बक रहे हो तुम?' इसके बाद एक्ट्रेस ने अपनी कार चेक की और बिना पोज दिए तुरंत वहां से निकल गईं। दुलकर सलमान और प्रभास के साथ आएंगी नजर वर्कफ्रंट की बात हिस्सा हैं। वे फिल्म 'Aakasamlo Oka Tara' में दुलकर सलमान के साथ नजर आएंगी। इसके अलावा सबसे ज्यादा चर्चा 'सलार पार्ट 2' की है, जिसमें वे प्रभास और पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ दोबारा स्क्रीन शेयर करेंगी। श्रुति ओटीटी पर भी डेब्यू कर चुकी हैं और जल्द ही अनन्या पांडे की वेब सीरीज 'कॉल मी बे' के दूसरे सीजन में एक अहम रोल में दिखाई देंगी।

सलमान के सामने डांस करने से घबराए वरुण:फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' के सेट पर पहुंचे सलमान

मुंबई। वरुण धवन ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' के सेट का एक के साथ कैप्शन में वरुण ने लिखा, 'भारत के सबसे बड़े कुंवारे के बगल में डांस करने में हमेशा भी अच्छी बॉन्डिंग देखी जाती है। वीडियो सामने आने के बाद यह कयास भी लगाए जा रहे हैं कि

वीडियो शेयर किया, जिसमें सुपरस्टार सलमान खान नजर आए।रविवार को वरुण ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' के पहले गाने 'ब्याह करवा दो जी' का बिहाइंड द सीन्स वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में सलमान के साथ डेविड धवन और मनीष पॉल भी नजर आए। वीडियो नर्वसनेस होती है।' गौरतलब है कि वरुण का सबसे बड़े कुंवारे से इशारा सलमान खान की ओर था। सलमान खान और डेविड धवन के बीच काफी समय से प्रोफेशनल रिलेशन है। सलमान ने डेविड के डायरेक्शन वाली 'जुड़वा' और 'मुझसे शादी करोगी' जैसी फिल्मों में काम किया है। इसी वजह से सलमान और वरुण धवन के बीच सलमान फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' में कैमियो कर सकते हैं। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। बता दें कि सलमान पहले भी वरुण धवन की फिल्मों 'जुड़वा 2' और 'बेबी जॉन' में कैमियो कर चुके हैं। वरुण की यह अपकमिंग फिल्म 22 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

पैन इंडिया एक्शन ड्रामा फिल्म-'मैसा' के लिए मार्शल आर्ट्स की ट्रेनिंग ले रही हैं रश्मिका

चेन्नई। रश्मिका मंदाना अपनी आने वाली पैन इंडिया बेहद चैलेंजिंग रोल है। इसके एक्शन को असली और इंटेंस मार्शल आर्ट्स और स्टंट बूटकैंप जॉइन किया है। यहां

एक्शन ड्रामा फिल्म 'मैसा' के लिए लगातार तैयारी कर रही हैं। इस फिल्म में वह एक गोंड आदिवासी लड़की का किरदार निभा रही हैं, जो उनके लिए इमोशनली और फिजिकली प्रभावशाली बनाने के लिए इंटरनेशनल स्टंट डायरेक्टर एंडी लॉन्ग भी इस प्रोजेक्ट से जुड़े हैं। रश्मिका ने अपने किरदार को बेहतर ढंग से निभाने के लिए बैंकॉक में एक वह रोज लगभग 8 घंटे ट्रेनिंग कर रही हैं, जिसमें हैंड-टू-हैंड कॉम्बैट, एडवांस स्टंट तकनीक और हाई-स्पीड एक्शन कोऑर्डिनेशन शामिल है। उनकी ट्रेनिंग की तस्वीरों में उनका बिल्कुल नया और फोकस्ड अवतार देखने को मिल रहा है, जो उनके अब तक के सॉफ्ट रोल्स से काफी अलग है। टीम जल्द ही केरल में फिल्म का 16 दिनों का महत्वपूर्ण एक्शन शेड्यूल शुरू करने वाली है। यह शेड्यूल फिल्म के सबसे मुश्किल हिस्सों में से एक माना जा रहा है। रश्मिका की मौजूदा ट्रेनिंग इसी के लिए उन्हें तैयार कर रही है। फिल्म का निर्देशन डेब्यू डायरेक्टर रविंद्र पुल्ले कर रहे हैं और इसे अनफॉर्मूला फिल्म्स प्रोड्यूस कर रही है।

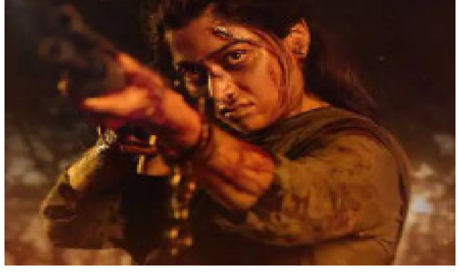

विद्युत जामवाल फिल्म में बने हैं योग गुरु,अमेरिका में सुनाया गायत्री मंत्र,पढ़े वैदिक मंत्र

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर विद्युत जामवाल ने अमेरिका में आयोजित साथ खड़े नजर आए। विद्युत बोले-यह पल मुझे जमीन से जोड़ता है 'हाडौकेन' और जबरदस्त एक्शन सीक्वेंस दिखाए गए हैं। फिल्म में

सिनेमाकॉन 2026 इवेंट में वैदिक मंत्रों का पाठ किया। दरअसल विद्युत हॉलीवुड फिल्म 'स्ट्रीट फाइटर' में योग गुरु 'धल्सिम' का किरदार निभा रहे हैं। सिनेमाकॉन इवेंट में इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया। इस दौरान स्क्रीनिंग से पहले विद्युत ने मंच पर वैदिक मंत्रों का पाठ किया, जिसने दुनिया के सबसे शोरगुल वाले इवेंट्स में से एक में शांति का माहौल बना दिया।लास वेगास में गूंजे सूर्य और गायत्री मंत्र ट्रेलर की स्क्रीनिंग से पहले विद्युत जामवाल ने भारतीय परंपरा के अनुसार प्रार्थना से शुरुआत की। उन्होंने सूर्य मंत्र, चंद्र मंत्र और गायत्री मंत्र का पाठ किया। इस दौरान उनके हॉलीवुड को-स्टार नोआ सेंटिनियो भी उनके इस खास अनुभव को सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए विद्युत ने लिखा, कुछ उपलब्धियां मुझे जीवन के उद्देश्य की गहरी अनुभूति कराती हैं। लास वेगास के सिनेमाकॉन में प्रार्थना करना मेरे लिए सौभाग्य की बात थी। मेरे भारतीय मंत्रों ने वहां शांति और सुकून की एक लहर पैदा कर दी। मुझे वहां मौजूद हर व्यक्ति के साथ एक गहरा और अनकहा बंधन महसूस हुआ, जो भाषा और शब्दों से परे था। वैदिक मंत्र सीमाओं से परे शांति का संदेश देते हैं। आर्केड गेम पर आधारित है फिल्म फिल्म 'स्ट्रीट फाइटर' का निर्देशन किताओ सकुराई ने किया है। यह फिल्म मशहूर आर्केड गेम फ्रैंचाइज़ी पर आधारित है। ट्रेलर में गेम के सिग्नेचर मूव्स जैसे विद्युत जामवाल 'धल्सिम' के रोल में हैं, जो अपने फ्लेक्सिबल शरीर और योग की शक्ति के लिए जाने जाते हैं। विद्युत के मार्शल आर्ट्स बैकग्राउंड को देखते हुए फैंस इस रोल के लिए उन्हें परफेक्ट मान रहे हैं। रोमन रेन्स-जेसन मोमोआ आएंगे नजर इस फिल्म में हॉलीवुड और खेल जगत की जानी-मानी हस्तियों की फौज नजर आएगी। नोआ सेंटिनियो 'केन मास्टर्स', एंड्रयू कोजी 'रयू' और रोमन रेन्स 'अकुमा' के रोल में दिखेंगे। इनके अलावा जेसन मोमोआ 'ब्लैंका' और मशहूर रैपर 50 सेंट 'बैलरोग' का किरदार निभा रहे हैं। स्ट्रीट फाइटर' भारत में 16 अक्टूबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'शराब पीने के बाद ब्रेकअप कर लिया था',प्रणित मोरे के शो में श्रेयस अय्यर की बहन श्रेष्ठा ने बताया लाइफ का किस्सा

मुंबई। मुंबई में कॉमेडियन प्रणित मोरे के स्टैंडअप शो के दौरान पहले वह पीती थीं। इसी दौरान उन्होंने अपने ब्रेकअप का किस्सा इन्फ्लूएंसर, डांसर और कोरियोग्राफर हैं। वो फरवरी 2025

क्रिकेटर श्रेयस अय्यर की बहन और इन्फ्लूएंसर श्रेष्ठा अय्यर ने बताया कि उन्होंने शराब पीने के बाद अपने बॉयफ्रेंड से ब्रेकअप कर लिया था। दरअसल, शो के दौरान प्रणित ने श्रेष्ठा से उनकी पर्सनल लाइफ को लेकर सवाल किए। बातचीत में प्रणित ने उनसे पूछा कि क्या वो शराब पीती हैं? जिस पर श्रेष्ठा ने कहा कि उन्होंने हाल ही में शराब पीना छोड़ दिया, लेकिन शेयर किया। शो में श्रेष्ठा के बगल में उनकी दोस्त बैठी थी। श्रेष्ठा ने बताया कि शराब पीने के बाद उन्होंने और उनकी दोस्त ने ब्रेकअप का फैसला लिया था। उन्होंने बताया कि उसी रात दोनों ने अलग-अलग अपने-अपने पार्टनर्स से रिश्ता खत्म किया। उन्होंने यह भी कहा कि उनके पार्टनर्स टॉक्सिक नहीं थे, लेकिन उन्हें लगा कि वे उनके लिए सही नहीं हैं। श्रेष्ठा अय्यर एक में फिल्म 'सरकारी बच्चा' के आइटम सॉन्ग 'एग्रीमेंट करले' में नजर आई थीं। इंस्टाग्राम पर भी वो कंटेंट पोस्ट करती रहती हैं। उनके कुछ पोस्ट में भाई श्रेयस भी नजर आते हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया दिए इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि उन्हें रियलिटी शो जैसे 'रोडीज' और 'स्प्लिट्सविला' के ऑफर मिले थे, लेकिन उन्होंने भाग नहीं लिया।

रील लाइफ में देशभक्ति पर जोर,बॉर्डर 2' के बाद अब 'ऑपरेशन सिंदूर' से भी वरुण बदलेंगे इमेज

मुंबई। वरुण धवन और मृणाल ठाकुर की जोड़ी जल्द ही 'है जवानी तो इश्क होना है' में 22 मई में नजर आनी है। 'बॉर्डर 2' के बाद जहां वरुण अपनी इमेज को नए

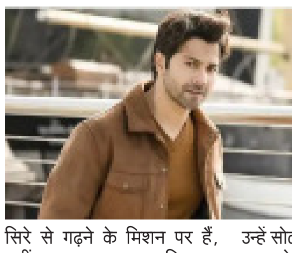

सिरे से गढ़ने के मिशन पर हैं, वहीं मृणाल लगातार स्क्रिप्ट-आधारित चुनावों से करियर को नई दिशा दे रही हैं। ट्रेड सूत्रों के मुताबिक 2027 दोनों कलाकारों के लिए सिर्फ एक और साल नहीं, बल्कि निर्णायक मोड़ साबित हो सकता है, जहां हर प्रोजेक्ट उनके करियर ग्राफ को नई दिशा देगा। खासतौर पर वरुण के लिए विवेक रंजन अग्निहोत्री की फिल्म 'ऑपरेशन सिंदूर' काफी अहम है। 'ऑपरेशन सिंदूर' प्री-प्रोडक्शन स्टेज में है और साल की शुरुआत में रिलीज के लिए आगे बढ़ रही है। वहीं नाग अश्विन वाली फिल्म भी मृणाल के साथ स्क्रिप्टिंग फेज में है और 2027 के मध्य तक रिलीज विंडो देख रही है। अब 'ऑपरेशन सिंदूर' की स्क्रिप्ट सुनने के बाद वरुण का क्या फैसला होगा। वह अगले साल के लिए सबसे बड़े नैरेटिव को दिशा दे सकता है। वहीं मृणाल की 'डकैत' को काफी सराहना मिली है। नाग अश्विन जैसे निर्देशकों द्वारा मधुबाला और स्मिता पाटिल से की गई तुलना ने उनके लिए स्केल काफी ऊंचा कर दिया है। यही वजह है कि मृणाल अब बेहद सोच-समझकर प्रोजेक्ट्स चुन रही हैं। वह रैंडम फिल्मों से दूरी बना रही हैं और 2027 के लिए ऐसे किरदारों पर फोकस कर रही हैं, जिनमें डेप्थ हो और उन्हें सोलो लीड के तौर पर स्थापित कर सकें, साथ ही नाग अश्विन के एक महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट को लेकर शुरुआती बातचीत भी जारी है, जिसकी शूटिंग 2027 के मध्य में शुरू हो सकती है। वरुण के करियर के लिए 'ऑपरेशन सिंदूर' काफी अहम मानी जा रही है। भूषण कुमार के साथ बनने वाली इस फिल्म के लिए वरुण को अप्रोच किया गया है, हालांकि वे स्क्रिप्ट और विजन को लेकर पूरी तरह आश्वस्त होने के बाद ही अंतिम फैसला लेंगे। फिल्म को 2027 की शुरुआत में रिलीज करने की प्लानिंग है। इसका विषय एक संवेदनशील सैन्य ऑपरेशन पर बेस्ड है, जो राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर बहस छेड़ सकता है। वरुण के लिए एक बार फिर से यथार्थवादी किरदार निभाने का मौका होगा, जिसे ट्रेड उनकी असल परीक्षा मान रहे हैं। डेविड के निर्देशन में बनी 'है जवानी तो इश्क होना है' के बाद भी वरुण और मृणाल की जोड़ी एक थ्रिलर फिल्म में साथ दिखेगी। कई प्रोडक्शन हाउस अपनी निवेश रणनीति दोनों की केमिस्ट्री पर टिका कर बैठे हैं और 'है जवानी...' की सफलता का इंतजार कर रहे हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।